राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, ३१मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -६६ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

बिहार में जमीन खरीद बिक्री में दाखिल खारिज को लेकर होने जा रहा बड़ा बदलाव

पटना। बिहार में जमीन खरीद बिक्री के दौरान होने वाले दाखिल-खारिज में नीतीश सरकार बड़ा बदलाव लाने जा रही है। दरअसल अब रजिस्ट्री के साथ ही स्वत म्यूटेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए जमीन मालिक को ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। इसकी वजह से अब जमीन खरीदारों को म्यूटेशन के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। हालांकि अभी यह सुविधा उन्हीं खरीदारों को मिलेगी जो जमाबंदीदार से खरीदेंगे। किसी दूसरे यानि किसी ऐसे वारिस से जमीन खरीदेंगे जिनके नाम म्यूटेशन नहीं है तो पुरानी व्यवस्था से ही आवेदन करना होगा। नई व्यवस्था के लिए अंचल कार्यालय को निबंधन कार्यालय से जोड़ दिया गया है। दोनों विभागो ने पूरी तैयारी कर ली है। सॉफ्टवेयर भी तैयार हो गया है। 31 मार्च को विभाग के मंत्री रामसूरत कुमार इसकी शुरुआत करेंगे। नई व्यवस्था का लाभ लेने के लिए जमीन की रजिस्ट्री के समय ही एक प्रपत्र भरकर निबंधन कार्यालय में जमा करना होगा। साथ ही स्वत- म्यूटेशन की सहमति भी देनी होगी। प्रपत्र में जमीन का पूरा ब्योरा के साथ जिनके नाम जमाबंदी कायम है उसका भी पूरा विवरण देना होगा। म्यूटेशन के साथ ही रजिस्टर टू से भी पुराने जमीन मालिक का नाम हट जाएगा और नये खरीदार का नाम जुड़ जाएगा। लेकिन अगर किसी भूखंड का छोटा भाग बिकता है तो बेची गई संपत्ति के भाग से नया नाम जुड़ेगा। शेष भूमि पुराने मालिक के नाम ही रहेगा। पूरी व्यवस्था के लिए एक एप तैयार किया गया है। एप के माध्यम से निबंधित कागजात का पीडीएफ अंचल कार्यालय तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में भी सरकार ने म्यूटेशन की ऑनलाइन व्यवस्था की है। लेकिन इसके लिए जमीन मालिक को ऑनलाइन आवेदन करना होता है। साथ ही डीड की छायाप्रति भी जमा करनी होती है। लेकिन अब इन सबसे मुक्ति मिल जाएगी। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक सिंह ने बताया कि किसी भी संपत्ति के खरीदार को पहले दो प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। पहले निबंधन कराने की प्रक्रिया फिर म्यूटेशन की।

कोरोना का महाराष्ट्र में महाविस्फोट

सिर्फ मार्च महीने के अंदर आए करीब 6 लाख केस, 2 हजार से ज्यादा मौतें

मुंबई। राष्ट्र में कोरोना का महाविस्फोट लगातार जारी है। इस साल मार्च का महीना राज्य के लिए सबसे घातक साबित हुआ है। राज्य में एक बार फिर से लाकडाउन लगाए जाने की आशंका के बीच इस महीने के आंकड़े हैरान कर रहे हैं। राज्य में 1 से 29 मार्च के बीच ही कोरोना वायरस के करीब 6 लाख नए मामले दर्ज किए गए हैं। महामारी की शुरुआत से ही महाराष्ट्र कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र में 1 से 29 मार्च के बीच कोरोना वायरस के 5 लाख 90 हजार 448 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, इससे पहले बीते साल सितंबर में 5 लाख 93 हजार 192 नए मामले आए थे। साल 2021 की शुरुआत में महाराष्ट्र में कोरोना के मामले पिछले तीन महीनों की तुलना में तेजी से घट रहे थे। लेकिन इस महीने आए नए मामलों ने बीते चार महीनों को रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नवंबर 2020 से फरवरी 2021 के बीच राज्य में कोरोना के 4 लाख 87 हजार 519 नए मामले आए थे। सोमवार को राज्य में कोरोना वायरस के 31 हजार 643 नए मामले दर्ज किए गए और इस दौरान 102 मौतें हुईं। इससे एक दिन पहले यानी रविवार को राज्य में रिकॉर्ड 40 हजार 414 नए केस आए थे। फिलहाल राज्य में कोरोना वायरस के कुल 27 लाख 45 हजार 518 मामले आ चुके हैं और 54 हजार 283 लोग इसकी वजह से जान गंवा चुके हैं। 17 मार्च के बाद से अब तक महाराष्ट्र में हर दिन 20 हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज हो रहे हैं। इस महीने राज्य में कोरोना की वजह से 2 हजार 129 मौतें भी हुई हैं। राज्य की बनाई टास्क फोर्ट के सदस्य डॉक्टर राहुल पंडित के मुताबिक, फिलहाल महाराष्ट्र में यह आंकड़ा बढ़ेगा क्योंकि टेस्ट भी बढ़ा दिए गए हैं। सोमवार को राज्य में पॉजिटिविटी दर 14.08 प्रतिशत थी जबकि रिकवरी दर 85.71 प्रतिशत। राज्य में पिछले कुछ हफ्तों से हर दिन 1 लाख से ज्यादा टेस्ट किए जा रहे हैं।

राज्य में 1 से 29 मार्च के बीच ही कोरोना वायरस के करीब 6 लाख नए मामले दर्ज किए गए हैं। महामारी की शुरुआत से ही महाराष्ट्र कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। आंकड़ों से पता चलता ह

म्यांमार शरणार्थियों को न दें खाना और शरण

इस राज्य सरकार ने जिला प्रशासन और नागरिकों को दिया आदेश

इम्फाल। म्यामांर में एक बार फिर से सेना और विद्रोहियों के बीच छिड़ी जंग के बीच मणिपुर सरकार ने सभी जिलों के प्रशासन को आदेश दिया है कि वे शरणार्थियों को भोजन और शरण मुहैया न कराए। राज्य में शरणार्थियों की बाढ़ को रोकने के लिए यह आदेश जारी किया गया है। सरकार की ओर से चंदेल, तेंगनोपाल, कामजोंग, उखरुल, चूराचंदपुर जिलों के प्रशासन को आदेश दिया जारी किया गया है। इसमें कहा गया है, %म्यांमार में पैदाा हुए हालातों के चलते ऐसे मामले देखे गए हैं, जब बड़ी संख्या में पड़ोसी देश के नागरिकों ने भारत में एंट्री का प्रयास किया है।% ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन को यह ध्यान रखना है कि वे भारत में आने वाले लोगों के लिए फूड और शेल्टर की व्यवस्था न करें। राज्य सरकार ने आदेश दिया है कि ऐसे लोगों को सिर्फ मेडिकल सुविधा ही दी जाए। सरकार ने कहा कि किसी चोट या अन्य बीमारी की स्थिति में मेडिकल अटेंशन दिया जाए। मानवाधिकार के आधार पर ऐसा करना होगा। इसके अलावा सरकार ने स्थानीय नागरिकों से भी अपील है कि वे पड़ोसी देश से आने वाले लोगों को शरण न दें। इसके अलावा सरकार ने आधार पंजीकरण को फिलहाल स्थगित करने का आदेश दिया है और कहा है कि आधार एनरोलमेंट किट्स को सुरक्षित रखने की जरूरत है। राज्य सरकार का यह आदेश संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार के राजदूत की ओर से यह अपील किए जाने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारत सरकार और अन्य राज्य सरकारों से अपील की है कि वे देश में मौजूदा संकट को देखते हुए शरणार्थियों को पनाह दें।

मिजोरम में भी शरणार्थियों का बढ़ रहा तेजी से आंकड़ा-मणिपुर सरकार ने भले ही शरणार्थियों को फूड और शेल्टर न देने का आदेश जारी किया है, लेकिन मिजोरम में भी संख्या बढ़ रही है। बीते महीने म्यांमार में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से राज्य में 1,000 से ज्यादा लोगों ने भारत में शरण ली है। इनमें से करीब 100 लोगों को सरकार की ओर से वापस उनके देश भेजा गया था, लेकिन वे फिर से मिजोरम में एंट्री कर गए हैं।

होली पर ट्रैफिक रूल तोड़ने पर ट्रैफिक पुलिस ने 3000 से अधिक चालान काटे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को होली पर देश की राजधानी में यातायात नियमों के उल्लंघन के चलते 3000 से अधिक चालान काटे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से 100 चालान शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में किए गए। एक अधिकारी ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 3282 चालान किए गए, जिनमें से 1255 चालान बिना हेल्मेट पहने दोपहिया वाहन चलाने के लिए किए गए। इसके अलावा, दोपहिया वाहन पर तीन लोगों की सवारी करने के चलते 170 चालान किए गए जबकि खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के लिए 121 लोगों का चालान किए गए। इसके अलाव,

अधिकारी ने बताया कि पहली बार होली के दिन कोई भी घातक सड़क दुर्घटना नहीं हुई और ना ही किसी की जान गई है।

बिना हेलमेट- 1255
नशे में ड्राइविंग- 100
बाइक पर तीन लोग- 170
खतरनाक ड्राइविंग- 121
अन्य चालान- 1636

बिहार में इंटर पास स्टूडेंट्स को प्रदेश समेत दूसरे राज्यों में ग्रेजुएशन में दाखिले को मिलेगा दो माह का समय

भागलपुर। बिहार इंटरमीडिएट का रिजल्ट आ गया, लेकिन छात्रों को स्नातक के नए सत्र की पढ़ाई शुरू करने को तीन महीने इंतजार करना होगा। दरअसल तिलकामांझी भागलपुर यूनिवर्सिटी समेत दूसरे प्रदेशों में स्नातक का सत्र जुलाई से जून चलता है। छात्रों के लिए यह एक बेहतर मौका है कि वे इस तीन महीने का बेहतर उपयोग कर सकें। 26 मार्च को रिजल्ट आने के बाद अभ्यर्थी अगली कक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर जल्द से जल्द स्नातक में नामांकन कराना चाहेंगे। इस तरह छात्रों के पास करीब तीन महीने का अतिरिक्त समय है।

शॉर्ट टर्म कोर्स कर करें समय का सदुपयोग-टीएमबीयू की कुलपति प्रो. निलीमा गुप्ता ने कहा कि छात्रों को शॉर्ट टर्म कोर्स चाहे वह स्किल डेवलपमेंट के हों, कंप्यूटर से जुड़े हो, सिल्क उद्योग से जुड़े हो या कोई अन्य तरह के कोर्स करना चाहिये। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर प्रयास करेगा। ताकि, विद्यार्थी अपने इस समय का सदुपयोग कर सकें। जिनकी रुचि खेल में हो या कोई अन्य विधा में उसमें कुछ दिन सीख सकते हैं।

सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के रिजल्ट के बाद स्नातक का नया सत्र

सीबीएसई ओर आईसीएसई बोर्ड के 12वीं की मुख्य वार्षिक परीक्षा इस बार मई से शुरू होनी है। इसलिये वे अभी करीब एक महीने तैयारी में ही लगे रहेंगे। जिसके रिजल्ट आने के बाद उनकी स्नातक की पढ़ाई तुरंत शुरू हो जायेगी। इसलिये ऐसे विद्याथियों को अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।

जहां सत्र पहले वहां लें नामांकन-दूसरे प्रदेश में जहां सत्र जुलाई के पहले से शुरू होता है, वहां छात्र नामांकन के लिये आवेदन कर सकते हैं। ऐसा करने से उनके समय की बचत होगी। सामान्य रूप से बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में जुलाई से ही सत्र शुरू होता है। लेकिन दूसरे प्रदेशों में इसे खंगाला जा सकता है। वैसे कई छात्र इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी भी कर रहे हैं। जेईई मेन की परीक्षा मई तक है इसलिये कई छात्र उसमें भी लगे हैं।

बंगाल चुनाव लड़ रहे बाबुल सुप्रियो को आया गुस्सा, बीजेपी दफ्तर में कार्यकर्ता को जड़ा तमाचा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की टॉलीगंज सीट से विधानसभा चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कोलकाता में पार्टी दफ्तर में एक शख्स को कथित रूप से थप्पड़ मारकर विवाद पैदा कर दिया। सोमवार को वायरल हुए एक वीडियो में गायक और भाजपा नेता कथित रूप से उस व्यक्ति को थप्पड़ मारते दिख रहे हैं जो उनसे बार-बार कह रहा है कि टीवी कैमरों के सामने आने और बाइट्स (साक्षात्कार) देने के बजाय क्षेत्र में गंभीर प्रचार शुरू करें। हालांकि, सुप्रियो ने बाद में दावा किया कि उन्होंने उसे थप्पड़ नहीं मारा है बल्कि ऐसे करने का सिर्फ दिखावा किया। कथित घटना रविवार को टॉलीगंज निर्वाचन क्षेत्र में रानीकुथी इलाके में स्थित भाजपा दफ्तर की है जहां केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री डोलजत्रा उत्सव में हिस्सा लेने गए थे। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि उनकी पार्टी जानना चाहती है कि जिस व्यक्ति को सुप्रियो ने थप्पड़ मारा, वह 'तृणमूल कांग्रेस का बाहरी व्यक्ति था या एक' विभीषण (भाजपा का ही सदस्य) था।

सभी केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन की तारीख जारी, एक अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया होगी शुरू

पटना। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने सभी केंद्रीय विद्यालय में नामांकन की तिथि जारी कर दी है। इच्छुक अभिभावक एक अप्रैल से कक्षा एक के लिए नामांकन फॉर्म भर सकते हैं। कक्षा एक के लिए ऑनलाइन फार्म ही भरे जायेंगे। ऑनलाइन फार्म के लिए केवीएस ने एप भी जारी किया है। अभिभावक एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण के कारण इस बार केंद्रीय विद्यालय में नामांकन देरी से होगा। अब तक मार्च में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली जाती थी, लेकिन इस बार अभिभावकों को अप्रैल से मई तक नामांकन के लिए इंतजार करना होगा।

कक्षा एक के लिए kvsonlineadmission.kvs.gov.in पर जाकर आवेदन करना होगा। केवीएस द्वारा हर कक्षा के लिए अलग-अलग फॉर्म जारी किए गए हैं। फार्म की संख्या देखकर ही नामांकन फार्म भरना होगा।

बोर्ड रिजल्ट के बाद निकलेगा 11वीं के लिए आवेदन

केवीएस की मानें तो 10वीं बोर्ड रिजल्ट आने के दस दिन के अंदर 11वीं में नामांकन की तिथि जारी होगी। केंद्रीय विद्यालय के छात्र और छात्रा का पंजीकरण पहले होगा। गैर केवी वाले छात्रों को तभी मौका मिलेगा जब संबंधित केवी में जगह खाली रहेगी। 11वीं में प्रवेश की अंतिम तिथि दसवीं रिजल्ट जारी होने के 30 दिनों के अंदर ही रहेगा।

नामांकन के लिए निर्धारित

कक्षा एक के लिए पंजीकरण (ऑनलाइन) शुरू - एक अप्रैल

कक्षा एक के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि - 19 अप्रैल

प्रथम लिस्ट - 23 अप्रैल को जारी

द्वितीय लिस्ट - 30 अप्रैल को जारी

तृतीय लिस्ट - पांच मई को जारी

शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत नामांकन को आवेदन - 15 मई से 20 मई

कक्षा दो तथा अन्य कक्षाओं का पंजीकरण (ऑफलाइन) - आठ अप्रैल से 15 अप्रैल तक

कक्षा दो तथा आगे की कक्षाओं के लिए सूची जारी - 19 अप्रैल को

कक्षा दो तथा आगे की कक्षाओं के लिए प्रवेश - 20 से 27 अप्रैल

कक्षा तीन से नौवीं तक प्रवेश की अंतिम तिथि - 31 मई

मार्च में ही झुलसा रही गर्मी, दिल्ली में टूटा रिकॉर्ड तो राजस्थान में चलने लगी है लू

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देशभर में अब गर्मी झुलसाने लगी है। मार्च का महीना अभी खत्म भी नहीं हुआ और बढ़ते पारे ने रिकॉर्ड तोड़ने शुरू कर दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं, राजस्थान और ओडिशा में गर्म हवाओं ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है। स्थिति यह है कि राजस्थान के कुछ इलाकों में पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश में भी तपिश बढ़ती जा रही है। आइए जानते हैं देशभर का हाल।

दिल्ली-दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। बता दें कि जब मैदानों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तब वहां हीटवेव घोषित किया जाता है। इससे पहले, गर्मी का आलम यह रहा था कि रविवार का तापमान बीते दो सालों में मार्च के सभी दिनों में दर्ज अधिकतम तापमान में सबसे अधिक रहा(दिल्ली प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री दर्ज किया गया है। रविवार को बढ़ोतरी के बाद अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री रहा है, जो सामान्य से 5 डिग्री अधिक रहा था। रविवार को दर्ज अधिकतम तापमान वर्ष 2020 और 2021 में मार्च के सभी दिनों में सबसे अधिक है। इससे पहले 31 मार्च 2019 को इससे अधिक 39.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था।

राजस्थान-राजस्थान के कई स्थानों पर प्रचंड गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। राज्य के अधिकतर शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार चूरू, भरतपुर, करौली में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। वहीं मौसम विभाग ने आगामी दिनों में कई स्थानों पर लू चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार सोमवार को चूरू में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं भरतपुर-करौली में 43.1-43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। कोटा में अधिकतम तापमान 42.8, बाडमेर-फलौदी में 42.6-42.6, पिलानी में 41.9, सवाईमाधोपुर में 41.8, धौलपुर-बीकानेर में 41.7-41.7, जैसलमेर-चित्तौड़गढ़ में 41.6-41.6 और अलवर में 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य स्थानों पर अधिकतम तापमान 40.1 से लेकर 38.6 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस से लेकर 12.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। विभाग ने आगामी 48 घंटों के दौरान, झुंझुनूं व कोटा जिलों में कहीं-कहीं उष्ण लहर/लू चलने की संभावना जताई है वहीं बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर, चूरू, जोधपुर, नागौर जिलों में कहीं-कहीं उष्ण लहर से अति उष्ण लहर चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश-इधर, गर्मी की सुगबुगाहट के बीच होली से पहले हिमाचल के मौसम में बदलाव देखने को मिला। होली के पिछली रात से ही लाहौल घाटी में हो रहे स्नोफॉल की वजह से प्रदेश में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं, सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप है। रोहतांग टनल से हिमाचल रोडवेज की बसों का परिवहन रोक दिया गया है। कबाइली क्षेत्र लाहौल घाटी में पिछली रात से मौसम में आए बदलाव की वजह से तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। पिछले 24 घंटे से बर्फबारी हो रही है। अब भी बर्फबारी का दौर जारी है।

उत्तर प्रदेश-उत्तर प्रदेश में मार्च 2021 की गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। बीते 10 वर्षों में मार्च दूसरी बार सबसे गर्म रहा। वहीं, होली भी एक दशक की सबसे गर्म होली रही। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल बढ़ती गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। बीते कुछ दिनों से तापमान में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही थी। सोमवार को बीते 10 सालों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अधिकतम तापमान सामान्य के मुकाबले 4 डिग्री अधिक 39 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

म्यांमार संकट

म्यांमार के नागरिक मुसीबत में हैं। लोकतंत्र के लिए प्रदर्शन कर रहे लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं। जो हालात से डरकर भागना चाहते हैं, उन्हें पड़ोसी देश अपने यहां आने नहीं देना चाहते। चुनी हुई सरकार के फरवरी में तख्ता-पलट के बाद 29 मार्च तक सेना की गोलियों से म्यांमार के 400 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अकले 28 मार्च को जब म्यांमार की सेना अपना वार्षिक परेड कर रही थी, लोकतंत्र के लिए सड़कों पर उतरे लोगों में से 114 को मौत की नींद सुला दिया गया। इन घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतरश ने कहा कि इस हिंसा से उन्हें 'गहरा सदमा' लगा है। ब्रिटेन ने तो इसे 'गिरावट का नया स्तर' बताया है। आपात स्थितियों पर विचार के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत टॉम एंड्रूस ने एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन बुलाने की मांग की है। चिंता जताने और विचार-विमर्श का सिलसिला चलता रहेगा। बड़ी चिंता यह है कि वहां के हालात से परेशान जो लोग किसी दूसरे देश में शरण लेना चाहते हैं, उनका क्या हो? म्यांमार से भागने वाले लोग शरणार्थी बनना चाहते हैं। अपने देश में सांप्रदायिक दंगे, युद्ध, राजनीतिक उठापटक जैसे हालात से बचकर दूसरे देशों में रहने वाले लोग ही शरणार्थी हुआ करते हैं। इसमें एक मुख्य बिंदु यह होता है कि दूसरे देश में रहते हुए उन्हें नागरिकता नहीं मिलती और वे अपने देश भी नहीं लौटना चाहते। भारत के मणिपुर में भी म्यांमार के ऐसे कुछ नागरिक आ चुके हैं। और तो और, इनमें पुलिस वाले भी शामिल हैं। ये ऐसे पुलिसकर्मी हैं, जिन्होंने लोकतंत्र समर्थकों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया था। यानी मुसीबत में आम लोगों के साथ सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। यह जरूर है कि ये सरकारी कर्मचारी भी आम लोगों की तरह सेना वाली सरकार के हुक्म नहीं मानना चाहते। सवाल यह है कि भारत जैसा देश ऐसे लोगों का बोझ किस स्तर तक बर्दाश्त करे। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा कहते हैं कि उनकी सरकार ऐसे लोगों को अस्थायी तौर पर पनाह देगी। इनके बारे में आगे का फैसला केंद्र सरकार करेगी। भारत से उम्मीद की किरणें देख ऐसे लोग इधर का मुंह करने लगे हैं। करीब 250 मील लंबी तिआउ नदी दोनों देशों के बीच सीमा के कुछ हिस्से को साझा करती है। इस नदी को पार कर आने वाले ही अधिक हैं। मुश्किल यह है कि मिजोरम के साथ पड़ोसी मणिपुर सरकार ने भी म्यांमार से आने वालों के लिए कोई रिफ्यूजी कैंप नहीं खोलने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने नगालैंड और अरुणाचल प्रदेशों से भी ऐसे शरणार्थियों को रोकने को कहा है। भारत-म्यांमार सीमा पर तैनात बॉर्डर गार्डिंग फोर्स को अलर्ट रहने की भी एडवाइजरी जारी की गई है। भारत की अपनी दिक्कतें हैं। किसी दूसरे देश में सताने के परिणामस्वरूप आए वहां के अल्पसंखयकों को नागरिकता देने का कानून बनाया गया है। उसकी एक समय सीमा तय की गयी। उस कानून का एक तबके ने विरोध भी किया। उन्हें लगा कि उन्ही के समुदाय को रोका जा रहा है। केंद्र सरकार की अपनी दिक्कते हैं। यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर रिप्टूजीज (यूएनएचसीआर) के 2014 के अंत के आंकड़े के मुताबिक भारत में 1 लाख 09 हजार तिब्बती, 65 हजार 700 श्रीलंकाई, 14 हजार 300 रोहिंग्या, 10 हजार 400 अफगानी, 746 सोमाली और 918 दूसरे शरणार्थी रह रहे हैं। ये रजिस्टर्ड शरणार्थी हैं, अवैध रूप से यहां रहने वालों की संख्या बहुत अधिक है। देश में बढ़ते शरणार्थियों से आर्थिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक दबाब तो है ही, कानून व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल है। अपराध और यहां तक कि देश विरोधी आतंकी गतिविधि से भी कई बार ऐसे लोगों के तार जुड़े पाए जाते हैं। वैसे भी भारत ने यूनाइटेड नेशंस रिफ्यूजी कन्वेंशन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। पहले से ही बड़ी संख्या में शरणार्थियों की जिम्मेदारी उठा रहे भारत के लिए यह उचित भी नहीं है।

आज के ट्वीट

इजाफा

मोदी सरकार में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कलेक्शन में 6 सालों में 300फिसदी का इजाफा हुआ है, जबकि आम नागरिक की संपत्ति में मामूली वृद्धि हुई है।

-- कांग्रेस

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की सरगर्मियां

– डा. रमेश ठाकुर

उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा होते ही गांव के चैपालों में इसे लेकर सरगर्मियां शुरू हो गयी हैं। पोस्टरबाजी, नारेबाजी, चुनावी हुड़दंग का दौर शुरू हो गया। उम्मीदवारों के घरों पर मुर्गा-मच्छी की पार्टी और दारू पीने-पिलाने का काम पहले से जारी है लेकिन चुनावी अधिसूचना के बाद यह और गति पकड़ गया। कच्ची शराब की भट्टियां चूल्हों पर चढ़ने के साथ-साथ वोटरों के बीच उम्मीदवारों की घेराबंदी भी आरंभ हो गईं। ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, बीडीसी व ग्राम पंचायत सदस्य, ये ऐसे ओहदे हैं जो ग्रामीणों के लिए सांसद-विधायकों से कहीं बढ़कर होते हैं। इन चुनावों का दूसरा रूप एक ये भी है कि आपसी रंजिश को खुलेआम जन्म देते हैं। गांव में मुट्ठी भर लोग होते हैं और पूरी पंचायत में ज्यादा से ज्यादा हजार या दो हजार की ही आबादी होती है। चुनाव के पहले तक आपस में सभी बड़े अदब और अमन शांति से रहते हैं। लेकिन चुनाव इन्हें आपस में बांट देता है। प्रधानी चुनाव में प्रत्याशी ऐसे हथकंडे भी अपनाता है जिसकी कोई कल्पना नहीं करता। वोट हासिल करने के लिए किसी हद तक चले जाते हैं। चुनाव के वक्त वोट नहीं देने पर कई उम्मीदवार वोटरों को खुलेआम प्रताड़ित भी करते हैं, जो कई मर्तबा बड़े-बड़े हादसों में तब्दील हो जाते हैं। लोकल बॉडी के चुनाव कराना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती से कम नहीं होता। साफ-सुथते चुनाव कराना सूबे की हुकूमत के लिए बड़ी चुनौती है क्योंकि अगले ही साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। पंचायतों में चुनाव ही नहीं कई और सुधारों की दरकार है। पंचायतों में भ्रष्टाचार का खेल किसी से छिपा नहीं है। इसका एक कारण ये भी है कि ग्रामीण जनता अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं से अनभिज्ञ होती है। चुनाव जीतने के बाद प्रधान और ब्लॉक अधिकारियों की मिलीभगत से योजनाओं में जमकर घालमेल होता है। आवास का आवंटन पात्र की जगह अपात्र को कर दिया जाता है। शौचालयों के निर्माण में दोनों मिलकर घूस खाते हैं। दरअसल, उन्हें कहने सुनने वाला कोई नहीं होता। क्योंकि वोटर अपने वोट को पहले ही नीलाम कर चुका होता है। चुनाव के दौरान प्रधानों की पार्टी खाकर और दारू पीकर अपने वोट को बेच चुका होता है। सरकारी पैसों की बंदरबांट पर प्रधान, सचिव आदि अधिकारियों के खेल में सरकार और स्थानीय जिला प्रशासन की चुप्पी भी कई तरह के सवाल खड़े करती है। ऐसी शिकायतों की भरमार है जिनमें प्रधान-अधिकारी बगैर काम किए लाखों रुपए फर्जी तरीके से उड़ाए हों। ग्राम पंचायतों में फर्जी फर्मों के बिल लगाकर प्रधानों का सरकारी राशि में गोलमाल की खबरें आती ही रहती हैं। कई नप भी जाते हैं। चुनाव जीतने के बाद गांव के सरपंच सीधे-सादे लोगों का जमकर फायदा उठाते हैं। इस तंत्र पर हुकूमत को चाबुक चलाना चाहिए। आवंटित राशि ऑनलाइन बैंक खातों में भेजी जाती है, फिर भी सेंधमारी हो जाती है। बहरहाल, ऐसे कारनामों और पंचायत चुनाव की आहट के बीच विशेषकर उत्तर प्रदेश की सरकार और पुलिस-प्रशासन ने चुनावी रंजिश में होने वाली वारदातों पर लगाम लगाने के लिए रणनीति तैयार की है। डीजीपी मुख्यालय ने सभी जिला कप्तानों को अलर्ट कर दिया है। प्रत्येक जिला और तहसीलों में नजर रखने के लिए नोडल अधिकारियों को भी लगाया जाएगा। जिनको चुनावी रंजिश में हुई घटनाओं का तत्कालीन ब्यौरा देना होगा। दरअसल, सख्त और कठोर सतर्कता बरतनी भी चाहिए, नहीं तो माहौल की पुनरावृत्ति इस बार भी होगी। निकाय चुनावों की तस्वीर दूसरे चुनावों से अलहदा होती है। पंचायत प्रत्याशी अंत तक यह अनुमान नहीं लगा पाते कि उनके पक्ष में कौन है, कौन नहीं? मतदाताओं को भी पता होता है जितना मुर्गा उचेलना है उचेल लो, जितनी शराब पीनी है पी लो। प्रधान बनने के बाद तो कोई हाथ आएगा नहीं? वहीं उम्मीदवार का भी दिमाग चकराया रहता है। रात में जो मतदाता उनके घर मुर्गा खा रहे थे, दूसरे दिन विरोधी प्रत्याशी के यहां दारू पीने में मशगूल दिखते हैं और अगले दिन किसी तीसरे उम्मीदवार के यहां पार्टी करते दिखाई देते हैं। झगड़े यहीं से शुरू हो जाते हैं, जब उम्मीदवार उन्हें टोकता है कि मुर्गा खाते वक्त वोट देने का वायदा उन्हें किया था। तनातनी बढ़ती है और ऐसी घटनाएं कई बार बड़े हादसों बदल जाती हैं। बड़े चुनावों में ये सब नहीं होता। लोकल बॉडी चुनाव में मतदाता प्रत्याशियों को बुरी तरह से उलझाए रखते हैं, आखिर तक अपने पत्ते नहीं खोलते। ग्रामीण वोटरों के मनोविज्ञान को समझना अच्छे-अच्छों की बात नहीं होती। बड़े-बड़े चुनावी पंडित और समीक्षकों के आंकड़े भी सटीक नहीं बैठते। पंचायत चुनाव का एक ही फंडा होता है, जिसके ज्यादा खर्चे, उसके उतने ही चर्चे। उम्मीदवार तब और पसोपेश में पड़ जाता है जब मतदाता उन्हें सीधे तौर पर इंकार नहीं करते। वोट देने के लिए आत्मविश्वास के साथ हामी भर देते हैं। वोट देने की बात मतदाता किसी एक उम्मीदवार से नहीं, बल्कि सभी से करते हैं। ऐसी तस्वीरें देखकर प्रत्याशियों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। चुनाव के वक्त ऐसी स्थिति किसी एक गांव नहीं, बल्कि प्रत्येक गांव की यही हालत रहती है। पंचायत चुनाव के मतदाता बहुत चतुर और तेज होते हैं। सबको बारी-बारी से आंकते-नापते हैं कि कौन कितना ज्यादा खिला-पिला रहा है। स्थिति ऐसी होती है कि पंचायत उम्मीदवार अपने करीबी के सिवाय अन्य पर जरा भी भरोसा नहीं कर पाता कि आखिर उनके साथ है कौन? पांव से लेकर चोटी तक ताकत झोंकने और जमकर मुर्गा-दारू पर पैसा खर्च करने के बाद उम्मीदवार जीत को लेकर आश्वस्त नहीं हो पाते। बदलाव के दौर में ये परिपाटी भी बदलनी चाहिए, पंचायत चुनाव का मकसद मुर्गा-दारू की पार्टी तक सीमित नहीं होना चाहिए, मकसद विकास और विश्वास होना चाहिए। बड़े चुनावों की तरह खर्च की कूननी बाध्यता हो, दारू पर चुनाव के वक्त पूर्ण प्रतिबंध हो। ऐसा नहीं करने पर उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने के प्रावधान किया जाए। तभी आदर्श ग्राम विकास का सपना साकार हो पाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

दान

श्रीराम शर्मा आचार्य

दान का अर्थ है देवत्व के अनुरूप देते रहने की वृत्ति को जिंदा रखना। शास्त्र कहता है-सौ हाथों से कमाओ, हजार हाथों से बांटो। दुनिया में सम्मान उनके लिए ही सुरक्षित है जो देते रहते हैं, पर बदले में कम पाने पर भी अपना काम चला लेते हैं। दो और पाओ, बोओ और काटो, बांटो और झोली भर लो का सिद्धांत एक शात सत्य के रूप में सदा से कार्य करता आया है। आज का समय बड़ी अभूतपूर्व घड़ियों में आया है। यह एक असाधारण समय है। ऐसे में धन-साधन के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण जिसे माना गया है, वह है-समयदान। यह सभी के लिए सुलभ है। यदि समयदान के साथ श्रद्धा का पुट और लग जाए तो लोक मंगल के अनेक कार्य संभव हैं। महान मनीषियों की साधना समय की तप-शिला पर बैठकर ही संपन्न हुई है। लोकसेवियों ने समयदान के सहारे अनेक असंभव कार्य कर दिखाए हैं परन्तु यह कार्य तभी बन पड़ता है, जब अंतराल की गहराई से आदशरे के राजमार्ग पर चलने के लिए बेचैन करने वाली टीस निरंतर उठती है। आज आस्था पर संकट रूपी दुर्भिक्ष जब प्रेत-पिशाच की तरह चढ़ा हुआ है, समयदान को युगधर्म मानकर तत्काल उसमें जुटना होगा। श्रेष्ठ कार्य यदि सामने हो तो उसे तुरंत करना चाहिए, यह उक्ति चरितार्थ करते हुए युग संधि महापुरचरण की वेला में सभी को बढ़-चढ़कर समयदान करना चाहिए। दान-पुण्य शब्द एक साथ मिलकर बोले जाते हैं और इनके प्रतिफल भी समानांतर बताए जाते हैं। अध्यात्म की भाषा में इनकी महत्ता स्वर्ग, मुक्ति, सिद्धि, वरदान, चमत्कार आदि के रूप में कही जाती है और बोलचाल की भाषा में इन्हें प्रगति, सफलता, वरिष्ठता और प्रदाता तक बताया जाता है। दान अर्थात देना, यही पुण्य है। लेना अर्थात अधिकारों का अपहरण, यही पाप है। पाप की परिणति लौकिक और पारलौकिक क्षेत्र में अवगति-दुर्गति स्तर की होती है। नरक इसी का आलंकारिक प्रतिपादन है। दोनों में से अपनी गतिविधियां किस पक्ष के साथ विनियोजित करना है, यह मनुष्य की अपनी इच्छाओं की बात है। परिस्थितियां कई बार इस चयन के विपरीत दबाव भी डालती देखी गई हैं पर अंतत- होता वही है, जिस पर इच्छा-शक्ति संकल्प बनकर केंद्रीभूत होती है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

आंदोलन का दिनों दिन विस्तार

-निर्मल रानी

विश्व इतिहास का सबसे बड़ा व सबसे लंबा चलने वाले किसान आंदोलन का दिनों दिन विस्तार होता जा रहा है। सत्ता,सत्ता समर्थक नेताओं व सत्ता के भोंपू बन चुके मीडिया तथा पूंजीवादी विचारधारा के पोषकों द्वारा जिस किसान आंदोलन पर शुरू से ही तरह तरह के आक्षेप लगाकर उसे बदनाम करने तथा उसकी अनदेखी करने की कोशिश की जा रही थी वही आंदोलन अब पंजाब,हरियाणा,उत्तर प्रदेश राजस्थान से आगे निकल कर बिहार बंगाल से लेकर महाराष्ट्र ,कर्नाटक जैसे कई दक्षिण भारतीय राज्यों तक पहुँच चुका है। सरकार,उसके सलाहकारों व भाजपाई नेताओं को यह भली भांति समझ लेना चाहिए कि जिस किसान आंदोलन में कई किसान सरकार के कृषि क़ानूनों का विरोध करते हुए आत्म हत्या कर चुके,जिस आंदोलन में अब तक 260 से अधिक किसान धरना देते हुए वीरगति को प्राप्त हो चुके जहां सभी आंदोलनकारी 'पहले सरकार द्वारा कृषि क़ानून की वापसी -फिर किसानों की घर वापसी' जैसे अपने संकल्प पर एक स्वर से अडिग नज़र आ रहे हों वह आंदोलन बिना अपनी जायज़ मांगों को पूरा कराये हुए समाप्त होने की संभावना नहीं है। किसानों के इसी आंदोलन का असर है कि भले ही सरकार विश्व व्यापर संगठन (ड्ढश्ज्ञह्र) और पूंजीपतियों के भारी दबाव के चलती कृषि क़ानून वापस न ले पा रही हो परन्तु इसी आंदोलन के सन्दर्भ में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह तक तथा अनेक केंद्रीय मंत्रियों व भाजपाई मुख्यमंत्रियों द्वारा बार बार यह प्रचारित किया जा रहा है कि सरकार किसानों की शुभचिंतक है,और यह भी कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिये दिन रात काम कर रही है। रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह का पिछले दिनों किसानों के आंदोलन के सन्दर्भ में बी बी सी को दिया गया एक साक्षात्कार यदि आप सुनें तो ऐसा लगेगा कि भाजपा से अधिक किसान हितैषी सरकार तो कोई हो ही नहीं सकती। 'अन्नदाताओं' की प्रशंसा के पुल बांधे जा रहे हैं। उनके प्रति अथाह सहानुभूति जताई जा रही है। मगर कृषि क़ानून की वापसी की किसानों की मांगों का कोई ज़िक्र नहीं। किसानों के प्रति चिंता जताने वाले नेताओं की ओर से दिल्ली के धरना स्थलों पर मिलने अब तक कोई सरकारी प्रतिनिधि नहीं गया। आंदोलन के दौरान मरने व आत्महत्या करने वाले किसानों के प्रति संसद में श्रद्धांजलि देना तो दूर,सरकार की ओर से दो शब्द भी नहीं बोले गए। परन्तु किसानों का अपमान करने में सरकार की ओर से कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ी गयी। यहां तक कि किसानों को अपमानित करने का सिलसिला अब भी बदस्तूर जारी है। अभी पिछले दिनों एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खतौली के विधायक विक्रम सैनी ने आंदोलनकारी किसानों को दलाल व निठल्ला बता डाला। ग़ौर तलब है कि खतौली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का वह क्षेत्र है जहाँ भारतीय किसान यूनियन का सबसे अधिक प्रभाव है। इसी क्षेत्र से लगते हुए शामली इलाक़े में किसानों ने केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान का विरोध करते हुए उन्हें वापस भेज दिया था। अब विधायक के किसान को अपमानित करने वाले बयान के बाद किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसान नेता विधायक को आईना दिखाने वाले कई बयान दे रहे हैं। इसके पहले भी सत्ता के अनेक ज़िम्मेदार लोगों द्वारा इस आंदोलन व इसमें शामिल किसान नेताओं को बदनाम करने व उन्हें डराने धमकाने के तमाम प्रयास किये गये। यहां तक कि आंदोलन के दौरान मरने वाले किसानों तक के प्रति अमर्यादित व अपमानजनक बातें कही गयीं। ख़ालिस्तानी,पाकिस्तानी,नक्सल,अर्बन नक्सल,शाहीन बाग़ ग्रुप,कांग्रेस व कम्युनिस्ट समर्थित,राजनैतिक,विदेशी फ़ंडिंग से चलने वाला और न जाने क्या क्या कहा गया। यहाँ तक कि एक विधायक स्वयं अपने समर्थक सैकड़ों गुंडों को लेकर आंदोलन पर बैठे किसानों पर चढ़ाई कर बैठा और हिंसा का तांडव करने लगा। इसके विपरीत इन सभी हथकंडों का सामना करने के बावजूद कुल मिलाकर आंदोलनकारी किसान गाँधी जी के सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए आंदोलन में शांति व सहनशीलता का पालन कर रहे हैं। परन्तु किसानों की मांगों व कृषि क़ानूनों की बारीकियों से इतर यह सवाल बार बार ज़ेहन में पैदा होता है कि जब सत्ता पक्ष के ज़िम्मेदार लोग किसान आंदोलन पर तरह तरह के टैग लगाकर उसकी उपेक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस आंदोलन को देश के किसानों का आंदोलन स्वीकार करने को ही तैयार नहीं हैं फिर आख़िर यही सरकार उन्हीं आंदोलनकारी किसानों के साथ आख़िर बार बार वार्ता क्यों करती रही ? और सरकार व किसान प्रतिनिधियों की दस दौर तक की केवल वार्ता ही नहीं हुई बल्कि इन वार्ताओं के दौरान केंद्र सरकार के प्रतिनिधि कृषि क़ानून में अनेक संशोधन करने व किसानों की वर्तमान कृषि क़ानून वापस लेने संबंधी मांगों के अतिरिक्त उन्हें ख़ुश करने वाली लंबे समय से की जा रही कई मांगों को भी मानने के लिए राज़ी हो गयी। ऐसा नहीं लगता कि किसानों को निठल्ला,दलाल कहने और उन्हें अपमानित करने वाले बयान देने के लिए सरकार या पार्टी की ओर से कहा जाता हो। भारतीय राजनीति में विवादित बोलों के द्वारा सुर्ख़ियां बटोरने का एक चलन सा बन चुका है। इसी ओछी शोहरत हासिल करने का शिकार कोई भी मंत्री, सांसद,विधायक या अन्य कोई भी नेता हो सकता है। परन्तु विरोधाभासी बात तो यह है कि जब प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री जैसे बड़े ज़िम्मेदार किसानों के प्रति पूरी गंभीरता के साथ हमदर्दी का इज़हार कर रहे हों ,जब इन्हीं आंदोलनकारी किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बार बार सरकार मेज़ पर बैठ रही हो और उनकी मांगोंके प्रति गंभीर हो फिर आख़िर किसी विधायक को इन्हीं किसानों को दलाल व निठल्ला कहने का क्या अर्थ है ? यदि उसने या उस जैसे अन्य कई मानसिक रोग से पीड़ित प्रतीत हो रहे नेताओं ने किसानों को बार बार अपमानित किये जाने वाले बयान दिए हों तो भाजपा है कमान ऐसे बड़बोले नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं करती ? और यदि कार्रवाई नहीं करती फिर तो इसका सीधा सा अर्थ है कि सत्ता व पार्टी का ऐसे तत्वों को मूक समर्थन हासिल है। ज़ाहिर है फिर तो यह भी ज़रूर पूछा जायेगा कि यदि आंदोलनकारी किसान निठल्ला और दलाल है तो क्या सरकार अब तक निठल्ले और दलाल किसानों से ही वार्ता करती रही है ?

डॉलर के मुकाबले रुपया 87 पैसे की गिरावट के साथ 73.38 पर बंद

मुंबई: कच्चे तेल की बढ़ती कीमत और प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के समक्ष अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मजबूत होने से विदेशी विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया 87 पैसे की गिरावट दर्शाता प्रति डॉलर 73.38 (अनंतिम) रुपए पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 72.85 पर खुला। सत्र के दौरान रुपया 72.77 रुपए और 73.47 के बीच घूमने के बाद अंत में 87 पैसे की हानि दर्शाता 73.38 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बंद के समय विनिमय दर 72.51 रुपए प्रति डॉलर थी। होली त्यौहार के मौके पर सोमवार को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बंद था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के साथ डॉलर की तुलनात्मक स्थिति दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.12 पर आ गया था। कच्चे तेल के बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.53 डॉलर प्रति बैरल पर था। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1,128.08 अंक की तेजी के साथ 50,136.58 अंक पर बंद हुआ। एक्स्चेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुक्रवार को 50.13 करोड़ रुपए के शेयरों के शुद्ध बिकवाल रहे।

नजारा टेक्नोलॉजीज का शेयर पहले दिन 44 प्रतिशत चढ़ा

Nazara

नयी दिल्ली, नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयर की मंगलवार को जबर्दस्त शुरुआत हुई। अपने कारोबार के पहले दिन कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य 1,101 रुपये की तुलना में 44 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर 79.01 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के साथ 1,971 रुपये पर खुला। दिन में यह 84 प्रतिशत बढ़कर 2,026.90 रुपये पर पहुंच गया। बाद में यह 43.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,576.80 रुपये पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर 80.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,990 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। अंत में यह 44.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,592 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,801.80 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले इसी महीने कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 175.46 गुना अभिदान मिला था। चर्चित निवेशक राकेश झुनझुनवाला समर्थित कंपनी वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप, छोटा भीम और मोटू-पतलू श्रृंखला पर अपनी गेम्स के लिए प्रसिद्ध है। कंपनी के 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,100-1,101 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

अमेरिका ने म्यांमार में लोकतांत्रिक सरकार की बहाली होने तक व्यापार समझौता निलंबित किया

वाशिंगटन । म्यांमार में तख्तापलट कार्रवाई को लेकर अमेरिका ने सख्त रुख अपनाते हुए यहां लोकतांत्रिक सरकार की बहाली होने तक इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के साथ व्यापार समझौते को सोमवार को निलंबित कर दिया। म्यांमार में एक फरवरी को हुए सैन्य तख्तापलट के बाद प्रदर्शनकारियों पर की गई हिंसक कार्रवाई के चलते यह निर्णय लिया। अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन टाई ने एक बयान में कहा कि अमेरिका लोकतांत्रिक बहाली के म्यांमार के लोगों के प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि साथ ही अमेरिका सुरक्षा बलों द्वारा आम नागरिकों पर की गई हिंसक कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है। उनके कार्यालय ने बयान में कहा कि अमेरिका व्यापार एवं निवेश रूपरेखा समझौता 2013 के अंतर्गत म्यांमार से किए गए सभी व्यापार समझौतों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करता है।

सैमसंग, एलजी के टीवी को मिला एडवांस्ड वाई-फाई 6ई सर्टिफिकेशन

सोल.

दक्षिण कोरिया में टीवी बनाने वाली दो दिग्गज कंपनियां सैमसंग और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को कहा कि उनके प्रीमियम टेलीविजन को एडवांस्ड वाई-फाई तकनीक के लिए एक प्रमाणन मिल चुका है, जो इसे अधिक गति और अधिक स्थिर कनेक्टिविटी देने के मामले में सक्षम बनाता है। सैमसंग ने कहा कि क्यूएन900ए और क्यूएन800ए नियो क्यूएलईडी टीवी के दो मॉडल इंडस्ट्री का पहला ऐसा टेलीविजन है, जिसे वैश्विक संगठन वाई-फाई एलायंस से वाई-फाई 6ई (छठे जनरेशन तक एक्सटेंडेड) सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरिया की इस दिग्गज तकनीकी कंपनी ने कहा कि वाई-फाई 6ई तकनीक वाई-फाई 5 की तुलना में चार गुना तेज कनेक्टिविटी प्रदान करती है और एक राउटर से कई डिवाइस जुड़े होने के बाद भी स्थिर डेटा ट्रांसफर करती है। सैमसंग ने कहा, 'नई प्रमाणित वाई-फाई 6ई तकनीकि को 6 गीगाहट्र्ज फ्रिक्वेंसी का इस्तेमाल करने के लिए मौजूदा 2.4 गीगाहट्र्ज और 5 गीगाहट्र्ज आवृत्तियों के संयोजन से बनाया गया है। इससे अब सैमसंग नियो टीवी अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम है।' इधर एलजी ने भी कहा है कि साल 2021 में लॉन्च हुए इनके मुख्य टेलीविजन मॉडल 8के ओएलईडी टीवी और क्यूएनईडी टीवी में मिनी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है और इसे भी हाल ही में वाई-फाई 6ई सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है।

डीजीसीए ने ग्रीष्मकालीन समयसारिणी के लिए प्रति सप्ताह 18,843 उड़ानों को मंजूरी दी

नयी दिल्ली,

विमानन नियामक डीजीसीए ने मंगलवार को कहा कि उसने ग्रीष्मकालीन समयसारिणी के लिए 108 हवाई अड्डों से प्रति सप्ताह 18,843 उड़ानों को मंजूरी दी है। ग्रीष्मकालीन समयसारिणी मार्च के अंतिम रविवार से शुरू होती है और अक्टूबर के अंतिम रविवार तक चलती है। इस साल की ग्रीष्मकालीन समयसारिणी के लिए उड़ानों की संख्या को मंजूरी देते समय इस बात को ध्यान में रखा गया है कि विमानन कंपनियों को कोविड-पूर्व के मुकाबले 80 प्रतिशत से अधिक उड़ानों के संचालन की अनुमति नहीं है। नागर विमानन महानिदेशालय ने ट्वीट किया, ''गौरतलब है कि 108 हवाई अड्डों से प्रति सप्ताह 18,843 प्रस्थानों को अंतिम रूप दिया गया है। इन 108 हवाई अड्डों में बरेली, बिलासपुर, कुरनूल और रूपसी नए हवाई अड्डे हैं, जहां से विमान उड़ान भरेंगे।'' डीजीसीए ने कहा कि इनमें इंडिगो की 8,749 साप्ताहिक उड़ानें, स्पाइसजेट की 2,854 साप्ताहिक उड़ानें, गोएयर की 1,747 साप्ताहिक उड़ानें, एयर इंडिया की 1,683 साप्ताहिक उड़ानें, विस्तारा की 1,288 साप्ताहिक उड़ानें और एयरएशिया की 1,243 साप्ताहिक उड़ानें शामिल हैं।

विस्तार चुनिंदा कर्मचारियों के लिए वेतन में कटौती वापस लेगी

मुंबई: विमानन कंपनी विस्तार ने कुछ खास श्रेणी के कर्मचारियों के लिए वेतन में की गई कटौती को अप्रैल से वापस लेने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को भेजे एक ई-मेल में कहा कि हालांकि सीईओ सहित प्रबंधन स्तर के कार्यकारियों के वेतन में कटौती जारी रहेगी। टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस की साझा विमानन कंपनी ने जून 2020 में कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर कमजोर यात्री मांग के बीच कम नकदी प्रवाह से निपटने के लिए 31 दिसंबर तक करीब 40 प्रतिशत कार्यबल के वेतन में कटौती की घोषणा की थी। बाद में इसे बढ़ाकर 31 मार्च तक कर दिया गया। विस्तार के सीईओ लेस्ली थिंग ने ईमेल में कहा, ''हमारे बोर्ड ने एक अप्रैल से लेवल-1 से लेवल-3 तक के कर्मचारियों के लिए लागू की गई वेतन कटौती को वापस लेने को मंजूरी दी है, लेकिन नेतृत्वकर्ता दल (लेवल-4 और लेवल-5) और मेरे वेतन में 15 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की कटौती जारी रहेगी।'' विस्तार के एक प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की है। कंपनी ने कहा कि वह लागत को काबू में रखने के लिए सतर्क रहेगी और जरूरत पड़ने पर मुश्किल निर्णय लिए जा सकते हैं।

भारत की मुद्रास्फीति संतोषजनक स्तर से कहीं अधिक ऊंची: मूडीज एनालिटिक्स

नयी दिल्ली,

भारत की मुद्रास्फीति संतोषजनक स्तर से काफी ऊंची है और एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में यह अपवाद है। मूडीज कॉरपोरेशन की अनुषंगी इकाई मूडीज एनालिटिक्स ने मंगलवार को यह कहा। जोखिम, प्रदर्शन आदि से संबंधित आर्थिक शोध उपलब्ध कराने और परामर्श देने वाली मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि ईंधन के ऊंचे दाम खुदरा महंगाई दर पर दबाव बनाये रखेंगे। इससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिये नीतिगत दर में आगे कटौती मुश्किल होगी। खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 5 प्रतिशत पहुंच गयी जो जनवरी में 4.1 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य, ईंधन और प्रकाश की महंगाई दर को छोड़कर) फरवरी में बढ़कर 5.6 प्रतिशत रही जो जनवरी में 5.3 प्रतिशत थी। उसने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति काफी ऊंची है। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एशिया के ज्यादातर देशों में मुद्रास्फीति नरम है और तेल के दाम में वृद्धि तथा अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोले जाने से 2021 में इसमें तेजी की आशंका है। इस साल वैश्विक मानिक ब्रेंट कच्चा तेल 26 प्रतिशत उछलकर 64 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कोविड-19 संकट जब अपने चरम के करीब था, यह मार्च 2020 में 30 डॉलर प्रति बैरल था। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार, ''मुद्रास्फीति के मामले में भारत और फिलीपीन अपवाद हैं। इन अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रस्फीति संतोषजनक स्तर से कहीं ऊपर है। इससे नीतिनिर्माताओं के लिये चुनौतियां बढ़ रही हैं।'' उसने कहा कि भारत की मुद्रास्फीति चिंताजनक है। खाद्य वस्तुओं के दाम में उतार-चढ़ाव और तेल के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई दर 2020 में कई बार उच्च सीमा 6 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गयी। इससे रिजर्व बैंक के लिये नीतिगत दर में और कटौती मुश्किल हो रही है। मौद्रिक नीति व्यवस्था के तहत आरबीआई को मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत पर बरकरार रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। मूडीज एनालिटिक्स ने यह भी कहा, ''आरबीआई मुद्रास्फीति को इस दायरे में रखने के लक्ष्य को 31 मार्च की मौजूदा समयसीमा के बाद भी बनाये रख सकता है।''

1 अप्रैल से लगेंगे महंगाई के झटके, कार-बाइक और दूध समेत इन चीजों के बढ़ जाएंगे दाम

बिजनेस डेस्क:

एक अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा। इस बार यह वित्त वर्ष आम आदमी को जोरदार झटके के साथ शुरुआत कर रहा है। रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजों के दामों में इजाफा होने वाला है। दूध, बिजली, एसी, बाइक से लेकर हवाई सफर, स्मार्ट फोन तक महंगा हो जाएगा। इलेक्ट्रिनक सामान के दाम भी महंगे हो जाएंगे। जानिए एक अप्रैल से कौन सी चीजें महंगी होंगी।

वाहन

एक अप्रैल 2021 से कार और बाइक महंगे हो जाएंगे। इसकी वजह ये है कि इनको बनाने में लागत बढ़ गई है। अगर आप खरीदना चाहते हैं तो 31 मार्च तक खरीद लें, नहीं तो फिर 1 अप्रैल से दाम बढ़ जाएंगे। मारुति, **Nissan** जैसी कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। **Nissan** अपने दूसरे ब्रांड **Datsun** के गाड़ियों की कीमत में इजाफा करने की भी घोषणा की है। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में वाहनों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। इस बढ़ोतरी के तहत **Hero scooters** और बाइक के दाम 25,00 रुपए तक बढ़ जाएंगे।

1 अप्रैल से टीवी हो जाएगी महंगी

1 अप्रैल 20201 से टीवी खरीदना महंगा हो जाएगा। पिछले 8 महीनों से टीवी की दरों में लगातार इजाफा हो रहा है। टीवी बनाने वाली कंपनियों ने टीवी को भी **PLI** स्कीम्स में लाने की मांग की है। 1 अप्रैल 2021 से **TV** के दाम कम से कम 2000 रुपए से लेकर 3000 रुपए तक बढ़ने की उम्मीद है।

AC की ठंडी हवा भी हो सकती है महंगी

1 अप्रैल से एसी और रेफ्रिजरेटर भी महंगा हो जाएगा। कंपनियां कच्चे माल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के चलते **AC** की कीमतों में रही बढ़ोतरी के चलते एसी की कीमत बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। एयर कंडीशनर के दाम 15,00 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक बढ़ाए जा सकते हैं। सिर्फ एक महीने में ग्लोबल मार्केट में ओपन-सेल **(open-cell)** पैनल के दाम में 35 फीसदी का इजाफा हुआ है।

हवाई सफर हो जाएगा महंगा

1 अप्रैल से हवाई सफर भी महंगा हो जाएगा। डोमेस्टिक फ्लाइट्स में किराया कम से कम 5 फीसदी बढ़ जाएगा। घरेलू यात्रा करने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट सिक्योरिटी फीस के नाम पर 200 रुपये और विदेशी यात्रियों को 12 डॉलर देने होंगे। **DGCA** से मिली जानकारी के मुताबिक, 1 अप्रैल से ये नए नियम लागू होने वाले हैं।

बढ़ जाएंगे दूध के दाम

दूध के दाम भी बढ़ने की संभावना है। किसानों ने दूध के दाम बढ़ाने की जानकारी दी है। दूध के के दाम 3 रुपए बढ़ाकर 49 रुपए प्रति लीटर बढ़ाने की बात कही है। लिहाजा दूध से बने सभी उत्पादों के कीमत बढ़ सकती है।

महंगी हो सकती है बिजली

बिहार के लोगों को 1 अप्रैल से बिजली के बिल का भी झटका लग सकता है। बिजली बिल के दाम 9-10 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।

सेंसेक्स, निफ्टी लंबी छलांग के साथ दो सप्ताह के शीर्ष पर

मुंबई,

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और सेंसेक्स 1,128 अंक चढ़ गया। यह दो माह में सेंसेक्स की एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त है। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच वित्तीय, आईटी और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बढ़त से सेंसेक्स अपने दो सप्ताह के उच्चस्तर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,128.08 अंक या 2.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,136.58 अंक पर पहुंच गया। यह 16 मार्च के बाद इसका उच्चस्तर है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 337.80 अंक या 2.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,800 अंक के पार 14,845.10 अंक के अपने दो सप्ताह के उच्चस्तर पर बंद हुआ। यह दो फरवरी के बाद इसकी एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त है। रिलायंस सिक्योरिटीज के प्रमुख-रणनीति विनोद मोदी ने कहा, ''आईटी, धातु, फार्मा और एफएमसीजी कंपनियों में जबर्दस्त लिवाली से घरेलू बाजारों में तेजी आई।'' उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन सकारात्मक वैश्विक रुख से घरेलू बाजारों को समर्थन मिला। सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर सबसे अधिक करीब 4.11 प्रतिशत चढ़ गया। एचसीएल टेक में 3.91 प्रतिशत, इन्फोसिस में 3.69 प्रतिशत और एनटीपीसी में 3.6 प्रतिशत का लाभ रहा। इसके अलावा नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी, पावरग्रिड, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट आई। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 3,000 अरब डॉलर के बुनियादी ढांचा पैकेज की घोषणा करने वाले हैं। मजबूत वैश्विक रुख के बीच घरेलू बाजार भी बढ़त के साथ खुले। निवेशकों ने कुछ राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी को नजरअंदाज किया क्योंकि सरकार व्यापक पैमाने पर टीकाकरण की तैयारी कर रही है।'' बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 1.30 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में थे। इस बीच, वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल 0.49 प्रतिशत के नुकसान से 64.60 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87 पैसे टूटकर एक माह के निचले स्तर 73.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष एवं बुनियादी शोध प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा, ''आज की गिरावट को छोड़ दिया जाए, तो रुपया स्थिर है। हालांकि, इस दौरान डॉलर सूचकांक मजबूत हुआ है।

शाओमी ने लांच किया रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स, अपने सेग्मेंट का जबर्दस्त स्मार्टफोन?

नई दिल्ली। मशहूर स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी ने हाल ही में भारतीय बाजार में रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स को उतारा है। रेडमी नोट सीरीज भारत में काफी पॉपुलर है। इसलिए हर बार जब रेडमी नोट सीरीज के स्मार्टफोन्स लॉन्च होते हैं तो कंपनी के ऊपर कई तरह का दबाव भी होता है। रेडमी नोट सीरीज की लेगेसी को कायम रखने के लिए कंपनी ने इस बार पूरी कोशिश की है। रेडमी नोट सीरीज को कम कीमत में ज्यादा से ज्यादा फीचर और डिजाइन के लिए माना जाता रहा है। क्या इस बार भी कंपनी ने इसे ऐसा बनाया है कि ये बेस्ट सेलिंग बनेगा? शाओमी के मुताबिक रेडमी नोट10 प्रो मैक्स में ईवीओएल डिजाइन लैंग्वेज दिया गया है। ये फोन पतला है, ज्यादा भारी नहीं है और ये देखने में आकर्षक लगता है। कंपनी ने इसमें ग्लास का यूज किया है इसलिए ये इसे प्रीमियम लुक देता है। शायद इसे देख कर आप ये न कहें कि इसकी कीमत 20 हजार के अंदर है। ये फोन लुक और फील के हिसाब से महंगा लगता है। बैक पैनल ज्यादा स्लिपरी नहीं है और फिंगरप्रिंट मैग्नेट भी नहीं है। बैक पैनल पर क्वॉड कैमरा सेटअप है और ये मॉड्यूल ऊभरा हुआ है। फ्लैट सर्फेस पर आप इसे सीधा नहीं रख सकते हैं। रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स डिजाइन और बिल्ड क्वॉलिटी के मामले में इस सेग्मेंट दूसरे फोन को पूरी तरह से टक्कर देता है। कंपनी ने डिजाइन पर काफी काम किया है और ये आप फोन को होल्ड करने के बाद आराम से समझ सकते हैं। हालांकि फोन बड़ा है और एक हाथ से आप मुश्किल से ही यूज कर पाएंगे। फिंगरप्रिंट साइड में दिया गया है इसे लॉक बटन के तौर पर भी यूज किया जा सकता है। फोन में हेडफोन जैक मिलता है, यूएसबी टाइप सी पोर्ट है और स्पीकर ग्रिल के साथ आईआर ब्लास्टर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। आम तौर पर शाओमी इस सेग्मेंट में ओल्ड डिस्प्ले नहीं देती है। यूजर्स इसकी शिकायत भी करते रहे हैं। लेकिन रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स में कंपनी ओल्ड डिस्प्ले यूज किया है।

एचडीएफसी बैंक ने नेट बैंकिंग में दिक्कत, ट्विटर पर ट्रेंड होने लगीं शिकायतें तो बैंक ने जताया खेद

नई दिल्ली:

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को स्वीकार किया कि उसके डिजिटल बैंकिंग मंच में दिक्कतें आ रही हैं। बैंक ने कहा कि वह इस गड़बड़ियों को दूर करने और प्राथमिकता के आधार पर सेवाओं को बहाल करने पर काम कर रहा है। एचडीएफसी बैंक ने ट्वीट किया, ''कुछ ग्राहकों को हमारी नेटबैंकिंग/मोबाइलबैंकिंग ऐप पर पहुंचने में दिक्कत आ रही है। हम प्राथमिकता के आधार पर इसका समाधान कर रहे हैं। ग्राहकों को हुई परेशानी का हमें खेद है।'' यह पहला मौका नहीं है जबकि एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को दिक्कत हुई है। पूर्व में भी दो मौकों पर ऐसा हो चुका है। रिजर्व बैंक ने उस समय एचडीएफसी बैंक पर इसके लिए जुर्माना भी लगाया था। पिछले दो साल के दौरान एचडीएफसी बैंक में सेवाओं में बाधा की समस्या को देखते हुए दिसंबर में रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के बैंक पर नए डिजिटल बैंकिंग पहल शुरू करने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की रोक लगा दी थी। सेवाओं में गड़बड़ी को लेकर एचडीएफसी बैंक पर दो अवसरों नवंबर, 2018 और दिसंबर, 2019 में जुर्माना भी लगाया जा चुका है। बैंक में सेवाओं में आ रही बाधा की शिकायतों पर कड़ रुख अपनाते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने दिसंबर में कहा था कि बैंक में कुछ खामियां चिंता का विषय हैं। गवर्नर ने कहा था कि एचडीएफसी बैंक को और विस्तार से पहले अपनी आईटी प्रणाली को मजबूत करना चाहिए।

पोको एक्स 3 प्रो भारत में पेश, क्वाड कैमरा के साथ 120एचजेड की डिस्प्ले

नई दिल्ली ।

चीनी मोबाइल फोन कंपनी पोको ने अपने पोको एक्स 3 प्रो को भारत में लॉन्च कर दिया गया है। इसे पिछले हफ्ते वैश्विक रूप से उतारा गया था। पोको एक्स 3 प्रो को पोको एक्स3 के एडवांस वर्जन के तौर पर पेश किया गया है। पोको एक्स 3 को कंपनी ने भारत में पिछले साल सितंबर में लॉन्च किया था। पोको एक्स 3 प्रो में क्वालिकम स्नेपड्रैगन 860 का प्रोसेसर दिया गया है। क्वालिकम स्नेपड्रैगन 860 प्रोसेसर को इसी महीने लॉन्च किया गया था। ये स्मार्टफोन क्वाड कैमरा सेटअप और 120एचजेड डिस्प्ले के साथ आता है। इस सेंगमेंट में इसका मुकाबला सैमसंग गैलेक्सी एफ62,रियलमी एक्स7 और वीवोवी20 2021 के साथ होगा।

पोको एक्स3 की कीमत और लॉन्च प्रस्ताव-

पोको एक्स3 के बेस वेरिएंट में 6जीबी रैम के साथ 128जीबी की मेमोरी दी गई है। इसकी कीमत 18,999 रुपये है। पोको एक्स3 प्रो के दूसरे वेरिएंट में 8जीबी रैम के साथ 128जीबी का स्टोरेज दिया गया है। इसकी कीमत 20,999 रुपये है। ये स्मार्टफोन गोल्डन ब्रॉन्ज, ग्रेफाइट ब्लैक और स्टील ब्लू कलर ऑप्शन में आता है। इसे फ्लिपकार्ट पर 6 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीदा जा सकता है। पोको एक्स3 प्रो पर लॉन्च ऑफर दिया जा रहा है। इसे लॉन्च ऑफर में आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड या ईएमआई से लेने पर 1,000 रुपये तक का डिस्काउंट मिलेगा। कंपनी ने इस फोन के लॉन्च होते ही पोको एक्स3 की कीमत 16,999 रुपये से घटा कर 14,999 रुपये कर दी है। नई कीमत 1 अप्रैल से लागू होगी।

पोको एक्स3 प्रो के स्पेसिफिकेशन्स-

पोको एक्स3 प्रो डुअल नैनो सिम सपोर्ट दिया गया है। ये एंड्रायड11 पर बेस्ड एमआईयूआई 12 पर चलता है। इसमें 6.67-इंच की फुल-एचडीप्लस स्क्रीन दी गई है। ये डिस्प्ले 120एचजेड डायनेमिक रिफ्रेश रेट के साथ दिया गया है। इसमें 240 एचजेड का टच सैंपलिंग रेट भी दिया गया है। प्रोटेक्शन के लिए इसमें कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 6 का यूज किया गया है। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें ओक्टा कोर क्वलिकुलन स्नेप ड्रैगन 860 प्रोसेसर के साथ एड्रनो 640 जीपीयू दिया गया है। ये 8जीबी तक के एलपीडीडीआर4एक्स रैम के साथ आता है। फोन में 128जीबी का यूएफएस 3.1 स्टोरेज दिया गया है। इसे माइक्रो-एसडी कार्ड की मदद से 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें 5,160एमएएच की बैटरी 33वोल्ट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी फुटबाल पर प्रतिबंध लगा सकता है फीफा

कराची। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा पाकिस्तान फुटबॉल पर लंबी अवधि का प्रतिबंध लगा सकता है क्योंकि एक गुट ने पिछले चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद लाहौर में राष्ट्रीय महासंघ के मुख्यालय पर कब्जा कर दिया था। फीफा ने इन चुनावों को अमान्य ठहराया था। विश्व संस्था ने अब अशफाक हुसैन की अगुवाई वाले पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) को फुटबॉल हाउस को खाली करने और इसका नियंत्रण हारून मलिक की अध्यक्षता वाली फीफा समिति को सौंपने के लिये बुधवार तक का समय दिया है। समिति के एक सदस्य ने मंगलवार को कहा, 'अगर सरकार के खेल मंत्री हस्तक्षेप करके इस मसले को नहीं सुलझाते हैं तो फिर पाकिस्तान फुटबॉल को सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से लंबी अवधि के लिये प्रतिबंधित किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि अगर फीफा प्रतिबंध लगा देता है तो पीएफएफ को विश्व संस्था से किसी तरह का अनुदान नहीं मिलेगा जिससे देश में इस खेल की वित्तीय स्थिति खराब हो जाएगी और विकास परियोजनाएं रुक जाएंगी।

हॉकी प्रो लीग : अर्जेंटीना के साथ मुकाबले के लिए भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया (एचआई) ने 11 और 12 अप्रैल को ब्यूनस आयर्स में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के साथ होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले के लिए मंगलवार को 22 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। हॉकी प्रो लीग मुकाबले की शुरुआत करने से पहले भारतीय टीम मेजबान टीम के साथ छह और सात अप्रैल को दो अभ्यास मैच भी खेलेगी। मुख्य मुकाबले के बाद टीम 13 और 14 अप्रैल को भी दो अभ्यास मैच खेलेगी। भारत के अर्जेंटीना दौरे के लिए अनुभवी मिडफील्डर और कप्तान मनप्रीत सिंह की हुई है, जोकि निजी कारणों से के यूरोप दौरे से बाहर थे। अनुभवी ड्रैगफ्लिक रूपिंदर पाल सिंह के साथ-साथ वरुण कुमार भी टीम में लौटे हैं, जोकि चोटिल होने के कारण पिछले दौरे का हिस्सा नहीं थे। उनके अलावा जसकरन सिंह, सुमित और शिलानंद लकड़ा भी टीम में शामिल हैं जोकि एक साल बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। इस बीच अनुभवी खिलाड़ी आकाशदीप सिंह, रमनदीप सिंह और सिमरनजीत सिंह जो यूरोप दौरे का हिस्सा थे, उन्हें आराम दिया गया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, एक बार फिर से, हम अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए विदेशी दौरों को लेकर उत्साहित हैं। हम 22 सदस्यीय टीम का चयन कर रहे हैं, जोकि टीम को संतुलन प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा, हम अर्जेंटीना के खिलाफ चार अभ्यास मैच और दो महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच खेलेंगे। ओलंपिक चैंपियन के साथ खेलना हमेशा हमारे गर्व की बात है और विशेष रूप से उन्हें अपने देश में खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। ये खेल हमारे कौशल और रणनीति को एक ऐसे दौर में स्थापित करने का अवसर प्रदान करेंगे, जहां सभी टीमों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। टीम 31 मार्च को बेंगलुरू से ब्यूनस आयर्स के लिए रवाना होगी और वहां पहुंचने से पहले टीम का दो बार अनिवार्य आरटी पीसीआर टेस्ट होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, हरमनप्रीत सिंह (उप कप्तान), सुरेंद्र कुमार, रूपिंदरपाल सिंह, वरुण कुमार, बीरेंद्र लकड़ा, जसकरण सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद , राज कुमार पाल, सुमित, नीलकंठ शर्मा, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा।

स्मिथ के फिर कप्तान बनने वाले बयान पर बोले कोच लैंगर, हमारे पास जगह उपलब्ध नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क ।

स्टीव स्मिथ ने कहा है कि अगर उन्हें फिर से मौका मिलता है तो वह आस्ट्रेलिया की कप्तानी करना पसंद करेंगे। इस पर ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि टिम पेन (टेस्ट कप्तान) और आरोन फिंच (सफेद गेंद के कप्तान) के साथ टीम अच्छे हाथों में है। लैंगर ने कहा, हमारे पास 2 बहुत अच्छे कप्तान और 2 महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धाएं हैं - एक एशेज और एक टी20 विश्व कप। हमारा भविष्य अच्छा लग रहा है। कप्तानी के लिए स्थान उपलब्ध नहीं है। सोमवार को, स्मिथ पहली बार मौका मिलने पर ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने के लिए अपनी उत्सुकता के बारे में बात करने के लिए बाहर आए। मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट फियास्को में शामिल होने की पुष्टि होने के बाद स्मिथ को कप्तान के रूप में हटा दिया गया था। स्मिथ ने कहा, मेरे पास निश्चित रूप से इसके बारे में सोचने के लिए बहुत समय है और मुझे लगता है कि अब मैं एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गया हूं जहां अगर अवसर फिर से आया, तो मैं उत्सुक होऊंगा। अगर क्रिकेट आस्ट्रेलिया चाहता है और यह टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ है तो निश्चित तौर पर इसमें मेरी दिलचस्पी होगी।'' स्मिथ ने कहा कि यह विवाद ताउम्र उनके नाम के साथ जुड़ा रहेगा लेकिन वह इसे फिर से कप्तानी संभालने की राह में रोड़ा नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं टीम की कप्तानी करूं या न करूं मुझे केपटाउन की घटना के साथ जीना होगा। मैंने पिछले कुछ वर्षों में काफी कुछ सीखा है और एक इंसान के रूप में अधिक परिपक्व हुआ हूं।' स्मिथ ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर मौका मिलता है तो उसे संभालने के लिए बेहतर स्थिति में रहूंगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो मैं तब भी टीम के कप्तान का उसी तरह से समर्थन जारी रखूंगा जैसे (टेस्ट कप्तान) टिम (पेन) और फिंची (वनडे कप्तान आरोन फिंच) का समर्थन करता रहा हूं। स्मिथ 9 अप्रैल से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते हुए दिखाई देंगे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को दिल्ली कैपिटल्स ने बेस प्राइज से 20 लाख अधिक देकर 2.20 करोड़ रुपए में खरीदा था।

ऑरलियंस मास्टर्स में उपविजेता रहे कृष्णा प्रसाद और विष्णु वर्धन

ऑरलियंस । भारत की कृष्णा प्रसाद गरगा और विष्णु वर्धन गौड़ पंजाला रविवार को समाप्त हुए ऑरलियंस मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में मिश्रित युगल के फ़ाइनल में चौथी सीड इंग्लैंड की जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी की जोड़ी से तीन गेमों के संघर्ष में हारकर उपविजेता रहे। कृष्णा प्रसाद और विष्णु वर्धन को 56 मिनट तक चले मुकाबले में बेन लेन और सीन वेंडी ने 19-21 21-14 21-19 से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया लेकिन अपनी लय को वे आगे कायम नहीं रख पाए। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने 19-18 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली थी लेकिन ब्रिटिश जोड़ी ने फिर लगातार तीन अंक लेकर भारतीयों का सपना चकनाचूर कर दिया। महिला वर्ग का खिताब तीसरी सीड थाईलैंड की बुसानन ओंगबांगरुंगफान ने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफ़र्सन को 61 मिनट में 16-21 21-15 21-19 से हराकर जीता जबकि पुरुष एकल का खिताब फ़्रांस के तोमा जूनियर पोपोव ने डेनमाक के मैड्स क्रिस्टोफ़र्सन को 44 मिनट में 23-21, 21-13 से हराकर जीता।

ओसाका मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मियामी.

जापान की नोओमी ओसाका ने 16वीं सीड बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस को हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी सीड ओसाका ने मर्टेंस को 6-3, 6-3 से मात देकर करियर में पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में अपनी जगह बनाई। ओसाका की यह लगातार 23वीं जीत है। इस जीत के साथ ही जापानी खिलाड़ी ने मर्टेंस के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-1 का कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में अब ओसाका का सामना मिस्र की मारिया सकारी से होगा, जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में 29वीं सीड अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-4, 2-6, 7-6 (6) से शिकस्त दी। वहीं, टॉप सीड आस्ट्रेलिया की एश्लेग बार्टी ने बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को 6-1, 1-6, 6-2 से जबकि पांचवीं सीड यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने चेक गणराज्य की पेत्रा क्वीतोवा को 2-6, 7-5, 7-5 से पराजित किया। पुरुष वर्ग, दूसरी सीड ग्रीस के स्टेफानोस त्सित्सिपास, चौथी सीड रूस के एंड्रे रुबलेव और पांचवें सीड अर्जेंटीना के डिएगो डिएगो श्वाट्र्जमैन भी टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्की दौरे पर गए भारतीय मुक्केबाजी दल के 8 सदस्य कोविड-19 से संक्रमित

नई दिल्ली । तुर्की दौरे पर गये भारतीय मुक्केबाजी दल के आठ सदस्यों को कोविड-19 के लिये पॉजीटिव पाया गया है ओर उन्हें इस्ताम्बुल में पृथकवास पर भेज दिया गया है। इनमें तीन मुक्केबाज भी शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता गौरव सोलंकी (57 किग्रा), प्रयाग चौहान (75 किग्रा) और बृजेश यादव (81 किग्रा) का एक सप्ताह पहले वायरस के लिये पॉजीटिव पाया गया था। इस कारण उन्हें प्रतियोगिता 19 मार्च को समाप्त होने के बावजूद इस्ताम्बुल में ही पृथकवास पर रहना पड़ रहा है। टीम सूत्रों के अनुसार कोच धर्मेन्द्र यादव और संतोष बीरमोल, फिजियो शिखा केडिया और डा. उमेश के अलावा वीडियो विश्लेषक नितिन कुमार को पृथकवास पर भेजा गया है। भारतीय दल बोसफोरस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिये इस्ताम्बुल गया था। इस प्रतियोगिता में पुरुषों में एकमात्र पदक सोलंकी ने कांस्य पदक के रूप में जीता था। महिलाओं में निकहत जरीन (51) ने भी कांस्य पदक हासिल किया था। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो पदक जीते थे। इस दौरे पर जाने वाले अन्य पुरुष मुक्केबाजों में ललित प्रसाद (52 किग्रा), शिव थापा (63 किग्रा), दुर्योधन सिंह नेगी (69 किग्रा), नमन तंवर (91 किग्रा) और कृष्णन शर्मा (91 किग्रा से अधिक) शामिल थे। महिला वर्ग में ज़रीन, सोनिया लाथेर (57 किग्रा), परवीन (60 किग्रा), ज्योति ग्रेवाल (69 किग्रा) और पूजा सैनी (75 किग्रा) ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। जिनका परीक्षण पॉजीटिव पाया गया है उन्हें कम से कम एक सप्ताह अभी वहां रुकना होगा जिसके बाद उनका फिर कोविड-19 परीक्षण किया जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले पोलैंड के दो खिलाड़ी कोविड से संक्रमित

वारसा । पोलैंड फुटबॉल टीम के दो खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर मैच से एक दिन पहले कोरोना वायरस के लिये पॉजीटिव पाया गया है। पोलैंड फुटबॉल संघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डिफेंडर कामिल पिएटकोवस्की और मिडफील्डर ग्रेगोर्ज क्रीचोवियाक को मैच से पूर्व किये गये परीक्षण में पॉजीटिव पाया गया है। पोलैंड के लिए एक और झटका है क्योंकि उसके स्टार स्ट्राइकर राबर्ट लेवानडोवस्की भी घुटने की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। वह रविवार को पोलैंड की एंडोरा पर 3-0 से जीत के दौरान चोटिल हो गए थे।

आर्चर की अनुपस्थिति में मोरिस संभालेंगे राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी की कमान

मुंबई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में बिके सबसे मंहगे खिलाड़ी क्रिस मौरिस ने कहा कि आगामी सत्र में चोटिल जोफ्रा आर्चर की अनुपस्थिति में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी लेकिन इससे टीम में उनकी भूमिका में कोई बदलाव नहीं होगा। तेज गेंदबाज आर्चर हाल में इंग्लैंड के भारत दौरे के दौरान कोहनी में चोट के कारण आईपीएल के पहले हाफ में नहीं खेल पायेंगे जो राजस्थान रॉयल्स के अभियान के लिए करारा झटका होगा। आर्चर की अनुपस्थिति में टीम में शामिल हुए नये खिलाड़ी मौरिस तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं आईपीएल में जिस भी टीम के लिये खेला हूं, मेरी भूमिका नई गेंद और डेथ ओवर में गेंदबाजी करने की रही है। इसमें कोई बदलाव नहीं होता। टीम में हमेशा तेज गेंदबाज मिले हैं और मैं इसमें सहायक की भूमिका निभाता हूं। अगर मैं गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करूंगा तो यह नई भूमिका नहीं होगी और अगर मैं इसमें सहायक की भूमिका निभाता हूं तो भी यह मेरे लिए नई नहीं होगी। लेकिन जब आप आक्रमण की अगुआई करते हो तो इसमें थोड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि यह मेरे लिए कुछ अलग चीज नहीं होगी। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले महीने इस दक्षिण अफ्रीकी आल राउंडर को 16.25 करोड़ रूपये की राशि में खरीदा था जिससे वह आईपीएल नीलामी के इतिहास में सबसे ज्यादा राशि में बिकने वाले खिलाड़ी बन गये थे। जब महंगे खिलाड़ी के 'टैग' से होने वाले दबाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह सामान्य ही है कि जब इस तरह का कुछ होता है तो थोड़ा दबाव तो होता है। अगर मैं कहूं कि दबाव नहीं है तो यह झूठ होगा लेकिन मैं बीते समय में भी भाग्यशाली रहा हूं कि मैं काफी बड़ी राशि में ही बिकता रहा हूं। लेकिन अंत में आपको प्रदर्शन करना होता है, भले ही आप कितनी भी राशि में खरीदे गए हो।

शैफाली वर्मा महिला टी20 रैकिंग में शीर्ष पर बरकरार, स्मृति मंधाना को भी हुआ फायदा

दुबई ।

भारतीय सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच में 30 गेंदों पर 60 रन की आक्रामक पारी के दम पर मंगलवार को जारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय की ताजा रैंकिंग में बल्लेबाजों में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पिछले सप्ताह शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाली शैफाली ने अंतिम मैच की इस पारी के दम पर 26 रेटिंग अंक हासिल किए और अब उनके 776 रेटिंग अंक हो गए हैं। इस युवा भारतीय बल्लेबाज ने आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी पर 35 अंक की बढ़त बना ली है। शैफाली के साथ पारी की शुरुआत करने वाली स्मृति मंधाना ने 28 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए थे। इससे वह एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने 12 रन देकर तीन विकेट लिए थे। इससे उन्होंने गेंदबाजी रैकिंग में 12 पायदान की लंबी छलांग लगाई है और वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गई है। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी भी 15 पायदान ऊपर 56वें स्थान पर पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका ने यह श्रृंखला 2-1 से जीती थी। उसकी कप्तान सुन लुस बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान आगे 37वें जबकि तेज गेंदबाज टुमी सेखुखुने गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर 42वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

मेदवेदेव की मियामी ओपन में संघर्षपूर्ण जीत, बोले- ग्रैंडस्लैम जीतकर भी उतनी संतुष्टि नहीं मिलती

मियामी । डेनिल मेदवेदेव ने ऐंठन के बावजूद अपनी अंतिम दो सर्विस को बचाकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने तीसरे दौर के इस मैच में अलेक्सी पोपिरिन को 7-6 (3), 6-7 (7), 6-4 से हराया और इसे विशेष जीत बताया। उन्होंने कहा, 'ग्रैंडस्लैम फाइनल को लगातार सेटों में जीतकर भी उतनी संतुष्टि नहीं मिलती जितनी आज मुझे मैच प्वाइंट हासिल करने पर मिली। इस मैच को निश्चित तौर पर हमेशा याद रखूंगा।' पुरुष वर्ग में 18वीं वरीयता प्राप्त जॉन इसनर भी आगे बढ़ने में सफल रहे। महिला वर्ग में नंबर 2 नाओमी ओसाका को वाकओवर मिला लेकिन नंबर 4 सोफिया केनिन विश्व में 27वें नंबर की ओंस जॉबेर से 6-4, 4-6, 6-4 से हार गई। इसनर ने 11वें वरीय फेलिक्स ऑगुर अलियासिमी को 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया।

आईसीसी विश्व कप वनडे सुपर लीग में 7वें स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली.

इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे में मिली सात रन की जीत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग की अंकतालिका में सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। भारत ने इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 2-1 से हराया है। सीरीज में मिली हार के बावजूद इंग्लैंड नौ मैचों में 40 अंकों के साथ तालिका में टॉप पर है। विश्व विजेता ने अब तक इस दौरान नौ मैच खेले हैं, जिसमें उसने चार जीते हैं और पांच हारे हैं। भारत ने अब तक छह मैच खेले हैं, जिसमें उसने तीन जीते हैं और तीन हारे हैं, जबकि उसके 29 अंक हैं। धीमी ओवर की गति के कारण उसे एक गंवाना पड़ा था। सुपर लीग की शुरुआत 30 जुलाई, 2020 को आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की तीन मैचों की सीरीज के साथ हुई थी। इसमें नीदरलैंड्स के साथ आईसीसी के 12 पूर्ण सदस्य शामिल हैं। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग की अंकतालिका की टॉप आठ टीमें सीधे 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर जाएंगी, जोकि भारत में खेली जानी है। आस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, न्यूजीलैंड तीसरे और अफगानिस्तान चौथे नंबर पर है। दोनों के तीन-तीन मैचों से 30-30 अंक है। बांग्लादेश (30), वेस्टइंडीज (30) और पाकिस्तान (20) 5वें, 6वें और 7वें स्थान पर हैं जबकि जिम्बाब्वे, आयरलैंड और श्रीलंका क्रमशः 9वें, 10वें और11 वें नंबर पर हैं। वनडे सुपर लीग में 13 टीमें हैं और इन्हीं टीमों में से भारत में 2023 में होने वाले विश्व कप टीमों का फैसला होगा। हालांकि तालिका में भारत के स्थान से उसे ज्यादा नुकसान नहीं होगा, क्योंकि भारत मेजबान होने के नाते सीधे ही इस टूर्नामेंट में प्रवेश करेगा। 31 मार्च 2023 तक मेजबान भारत सहित टॉप सात टीमें इस टूर्नामेंट के क्वालीफाई करेगी, जबकि बाकी पांच टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेगी।

चिकित्सा विशेषज्ञ तोक्यो ओलंपिक के आयोजन के पक्ष में नहीं

तोक्यो । तोक्यो ओलंपिक के आयोजन में चार महीने से भी कम समय बचा है तथा जापान में मशाल रिले शुरू हो चुकी लेकिन कुछ चिकित्सा विशेषज्ञ इस खेल महाकुंभ के आयोजन के पक्ष में नहीं हैं। योकोहामा के कीयू अस्पताल में संक्रमण जनित रोगों के विशेषज्ञ डा. नोरियो सुगाया ने कहा, 'जोखिमों को देखते हुए बेहतर यही होगा कि ओलंपिक का आयोजन नहीं किया जाए। जापान में जोखिम बहुत अधिक है। जापान खतरनाक है, किसी भी तरह से सुरक्षित स्थान नहीं है। सुगाया ने कहा कि ओलंपिक के आयोजन के लिए 50 से 70 प्रतिशत आम जनता का टीकाकरण शर्त होनी चाहिए लेकिन जापान में टीकाकरण की गति धीमी है और इसलिए ऐसी संभावना नहीं है। अभी तक एक प्रतिशत से भी कम लोगों को टीका लगा है। ओलंपिक 23 जुलाई से शुरू होंगे। सुगाया ने कहा, 'बहुत अल्पकाल में हजारों विदेशी देश में प्रवेश करेंगे जिसमें बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी भी शामिल होंगे। इसलिए चुनौती बहुत बड़ी होगी। जापान चिकित्सा संघ के प्रमुख डा. तोशियो नकागावा ने कोरोना वायरस के मामलों में फिर से बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जताई और तुरंत ही बचाव के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने इस महीने के शुरू में कहा, 'चौथी लहर रोकने के लिए हमें बहुत जल्दी कार्रवाई करनी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फूड फ्लेवरिस्ट स्वाद में छिपा कॅरियर का खजाना

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

किसी भी फूड आइटम को खाने से पहले एक बात जो सबसे पहले दिमाग में आती है वो है कि उस चीज का स्वाद कैसा होगा। यकीनन भोजन के दौरान पोषण का ख्याल रखा जाता है, लेकिन किसी भी फूड आइटम के न्यूट्रिशन वैल्यू से भी ज्यादा जरूरी होता है उसका टेस्ट। अगर हेल्दी चीज का टेस्ट अच्छा ना हो तो लोग उससे दूरी बनाते हैं। वहीं टेस्टी आइटम की तरफ बच्चों से लेकर बड़ों तक का झुकाव देखा जाता है। वैसे तो कई तरह के फूड आइटम का अपना एक नेचुरल टेस्ट होता है। लेकिन कुछ चीजों में टेस्ट डेवलप किया जाता है और इसे डेवलप करने का काम करते हैं फूड फ्लेवरिस्ट। तो चलिए जानते हैं इस अनोखे कॅरियर के बारे में

क्या होता है काम

फूड फ्लेवरिस्ट का मुख्य काम भोजन व अन्य प्रॉडक्ट्स के लिए फ्लेवर को डेवलप करना होता है। एक व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन खाए जाने वाले आहार में एक बड़ा हिस्सा कृत्रिम स्वाद का भी होता है। जो इन्हीं पेशेवरों द्वारा विकसित किए जाते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट आलू के चिप्स लेकर आईसक्रीम तक में फ्लेवर को डेवलप करने का काम करते हैं। इस पेशे का सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू यह है कि न केवल स्वाद बढ़ाने के लिए एक स्वादवादी सामग्री और रसायनों का उपयोग भोजन को स्वादिष्ट बनाना चाहिए, बल्कि इसे भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को भी पूरा करना चाहिए। साथ ही यह मानव उपभोग के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इसलिए एक फूड फ्लेवरिस्ट तरह-तरह के स्वाद डेवलप करने के दौरान कई तरह की सावधानियां बरतते हैं।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इस क्षेत्र में भविष्य देख रहे छात्रों में टेस्ट व स्मेल के सेंस की गहरी भावना होनी सबसे जरूरी है। साथ ही उनमें नई महक व टेस्ट को अनुभव करने की उत्सुकता होनी चाहिए। फ्लेवरिस्ट को एक टीम में रचनात्मक, सहज, प्रेरित, समर्पित और काम करने में सक्षम होना चाहिए। धैर्य और प्रयोग करने की इच्छा भी महत्वपूर्ण है। डेटाबेस, स्प्रेडशीट, सॉफ्टवेर्यस आदि को संभालने के लिए किसी के पास कंप्यूटर कौशल होना चाहिए। उन्हें भोजन की संरचना की सामान्य समझ भी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आपको बीएससी या एमएससी इन केमिस्टी या बायोकेमिस्टी होना चाहिए। इसके अलावा फूड टेक्नोलॉजी की बेसिक जानकारी आपको अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्र रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं और फिर फूड साइंस में मास्टर्स कर सकते हैं।

संभावनाएं

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वे उत्पादों के लिए विशिष्ट जायके का उत्पादन करने में मदद करने के लिए एक कंपनी को परामर्श सेवाएं भी प्रदान कर सकते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट के लिए अवसर सिर्फ फूड इंडस्टी तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान में, टूथपेस्ट, पेय पदार्थ, दवाएं, डिशवाशिंग तरल पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन आदि जैसी वस्तुओं के उत्पादन में भी इनकी जरूरत महसूस की जाती है। इसलिए फ्लेवरिस्ट के पास उन कंपनियों में भी काम के अवसर मौजूद हैं जो त्वचा की क्रीम, सौंदर्य प्रसाधन, हेयर केयर प्रॉडक्ट आदि का निर्माण करते हैं।

आमदनी

कॅरियर एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एक फ्लेवरिस्ट की आमदनी उसके कौशल व अनुभव के आधार पर तय होती है। हालांकि एक फ्रेशर 10000 से 15000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

JEE Mains की ऐसे करें तैयारी तो जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए!

सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ

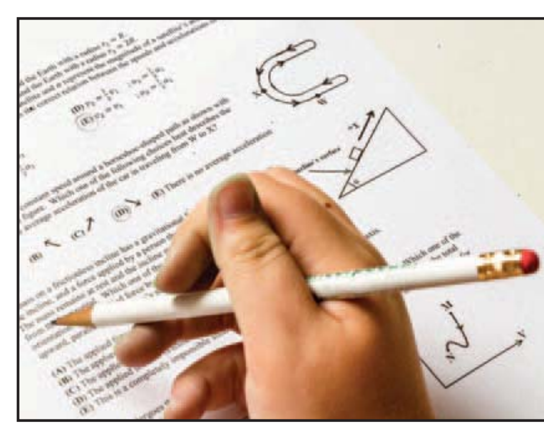

अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत: परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले फिलहाल क्या करें ?

व्यायाम के माध्यम से खुद को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर इस वक्त आप कम्युनिटी में खेल भी नहीं सकते, इसलिए यह और ज्यादा इंपॉर्टेंट हो जाता है कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखते हुए तन को स्वस्थ रखा जाए। ऐसे लाखों बच्चे होंगे जो मन में सपने सजाये होंगे कि 12वीं के बाद वह किसी इंजीनियरिंग या मेडिकल संस्थान में दाखिला लेंगे और कॅरियर के पड़ाव में अगला कदम रखेंगे। मुसीबत यह है कि कोविड-19 के काल ने हर एक की योजनाओं पर कुठाराघात कर दिया है। सामने बसे मुश्किल उन बच्चों के सामने है, जिन्होंने 12वीं का एग्जाम देकर सुनहरे कॅरियर के सपने संजोए थे। इस समय वह किंमकर्तव्यविमूढ़ हो गए हैं। ऐसे में उन्हें एक्जैक्टली क्या करना चाहिए, आइए एक दृष्टि डालते हैं-

तन और मन को रखें स्वस्थ

जी हां! किसी भी प्रकार की चिंता करने की बजाय आपको खुद को स्वस्थ रखना कहीं ज्यादा आवश्यक है। आगे क्या होगा, कौन सा कॅरियर आप चुनेंगे, इसको लेकर बेवजह का तनाव आपको नहीं लेना चाहिए बल्कि, इसकी बजाय आपको जितना संभव हो व्यायाम के माध्यम से खुद को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर इस वक्त आप कम्युनिटी में खेल भी नहीं सकते, इसलिए यह और ज्यादा इंपॉर्टेंट हो जाता है कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखते हुए तन को स्वस्थ रखा जाए। इसी प्रकार यह अवस्था ऐसी है कि मन भटकाव के दौर में गुजरता है, इसलिए हर किसी के घर में गीता रामायण जैसी किताबें भी होती हैं, उसका अध्ययन करके आप अपने मन को शांत और स्थिर रखने का प्रयत्न करें। ऑनलाइन भी कई सारी बुक्स उपलब्ध हैं, यहां तक कि ऑडियो और वीडियो बुक्स का भी आप सहारा ले सकते हैं, लेकिन आवश्यक है कि तन और मन को पूरी तरह से स्वस्थ रखा जाए।

जल्दबाजी में ना करें ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने का फैसला

कई बार बच्चे जल्दबाजी में तमाम कोर्सेज में एडमिशन लेने का फैसला कर बैठते हैं। वर्तमान में कई सारी कोचिंग संस्थाएं और दूसरे एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑनलाइन ट्रेनिंग और कोचिंग देने के नाम पर भारी-भरकम फीस वसूलने लगे हैं, पर विडंबना यह है कि ऑनलाइन ट्रेनिंग देने की उनके पास खुद बेसिक सुविधाएं नहीं हैं। कइयों के पास, उनके शिक्षक ऑनलाइन ट्रेनिंग देने में और काउंसलिंग करने में दक्ष ही नहीं हैं, और ना ही उनके पास इससे संबंधित बढ़िया इंफ्रास्ट्रक्चर है। ऐसे में अगर आप जल्दबाजी में किसी इंस्टिट्यूट के ऑनलाइन कोर्स में एडमिशन लेने का फैसला लेते हैं तो कहीं ना कहीं बाद में आपको निराशा हाथ लगेगी।

इसकी बजाय आवश्यक है कि इंटरनेट पर पहले सम्बंधित संस्थान का फ्री डेमो देखने का प्रयत्न करें और फ्री डेमो से अगर संतुष्ट हो जाते हैं तो पार्टिकुलर संस्थान के बारे में रिव्यू देखें। इसके बाद आप प्राइस कंपैरिजन करके किसी निश्चित कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि दाखिला लेने के पश्चात आप उपयुक्त कोर्स का कितना यूटिलाइजेशन कर सकेंगे, सिर्फ एडमिशन लेने के लिए पैसे और समय की बर्बादी न करें, बल्कि उसका उपयोगी होना सुनिश्चित करें। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आप ध्यान रखकर फैसला लेते हैं तो उसका बेहतर उपयोग आप आसानी से सुनिश्चित कर सकेंगे।

सेल्फ स्टडी है आवश्यक

ध्यान रहे ऑनलाइन कोर्सेज में आप चाहे जितना जोर लगा लें, किंतु अगर आप सेल्फ स्टडी नहीं करते हैं तो कहीं ना कहीं आपके सामने समस्या आ सकती है। इसीलिए आवश्यक है कि आप खुद से भी स्टडी अवश्य करें। खासकर तब, जब आप कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स का माइंडसेट और लक्ष्य अपने पास रखते हैं। इसके अतिरिक्त, आप बेशक अपने मेंटर्स से मिल नहीं पाते हैं, किंतु आप उन्हें अवश्य ही फोन कर सकते हैं, उनसे सजेशंस ले सकते हैं और उसी के अनुसार बिना किसी तनाव के आगे की योजनाओं पर कार्य कर सकते हैं। ध्यान रखें, दुनिया में ऐसा कोई संकट नहीं हुआ है, जिससे इंसान मुकाबला न कर सका हो। यह संकट भी टल ही जाएगा और आपके सामने पुन: प्रस्तुत होगा एक बेहतर भविष्य में कदम बढ़ाने का अवसर! लेकिन तब तक कोई जरूरी है कि आप उसके लिए स्वस्थ रहकर समुचित तैयारी कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कनाडा में 55 से कम उम्र वालों के लिए एस्ट्राजेनेका पर रोक, खून के थक्के जमने के बाद उठाया ऐसा फैसला

टोरंटो। कनाडा ने सोमवार को आक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड-19 टीका 55 साल से कम उम्र के लोगों को लगाने पर रोक लगा दी।सरकार ने यह फैसला इस आयु वर्ग के लोगों में खून के थक्के जमने की दुलर्भ घटना का संबंध टीके की वजह से होने की आशंका के मद्देनजर उठाया। सोमवार को इस आयु वर्ग के लोगों में एस्ट्राजेनेका के टीके लगाने के कार्यक्रम को स्थगित करने की घोषणा करते हुए कहा गया कि टीकाकरण पर बनी राष्ट्रीय परामर्श समिति ने सुरक्षा कारणों से टीकाकरण रोकने की अनुशंसा की है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय परामर्श समिति की अध्यक्षा डॉ.शेली डिक ने कहा, ''55 साल से कम उम्र के लोगों को एस्ट्राजेनेका के टीके देने से होने वाले संभावित खतरे के मुकाबले इसके लाभ को लेकर काफी अनिश्चितता है।'' डिन ने यह अनुशंसा यूरोप से आए आंकड़ों के बीच की है जिसके मुताबिक टीके से खून के थक्के जमने की आशंका प्रत्येक एक लाख में से एक मामले में है जो पूर्व में प्रत्येक दस लाख में एक घटना के पूर्वानुमान से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि यूरोप में एस्ट्राजेनेका का टीका लेने वाले जिनलोगों में खून का थक्का जमने की शिकायत हुई उनमें अधिकतर 55 साल से कम उम्र की महिलाएं हैं और उनमें मृत्यु दर 40 प्रतिशत है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ और रक्षा मंत्री परवेज कोरोना पॉजिटिव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और रक्षा मंत्री परवेज खटक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। करीब सप्ताह भर पहले प्रधानमंत्री इमरान खान की जांच रिपोर्ट में भी संक्रमण की पुष्टि हुई थी। राष्ट्रपति अल्वी ने सोमवार को ट्वीट किया, मैं कोविड-19 संक्रमित हूं। अल्लाह सभी कोविड पीड़ितों पर रहम करे। टीके की पहली खुराक ली थी।
हालांकि, दूसरी खुराक के बाद एंटीबॉडी बननी शुरू होती हैं जिसमें एक सप्ताह बाकी था। सावधानी बनाएं रखें। 71 वर्षीय अल्वी में किस दिन संक्रमण की पुष्टि हुई, इस बारे में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वहीं, सिंध प्रांत के गवर्नर इमरान इस्माइल ने ट्वीट करके रक्षा मंत्री परवेज खटक के संक्रमण की चपेट में होने की जानकारी साझा की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

चीन ने हांगकांग विधान परिषद में निर्वाचित सीटों की संख्या कम की

बीजिंग। चीन ने हांगकांग विधान परिषद में निर्वाचित सीटों की संख्या कम कर दी है जो पहले से ही सियासी संकट से जूझ रहे लोकतंत्र के लिए एक झटका है। चीन की शीर्ष विधायिका की दो दिवसीय बैठक के बाद मंगलवार को इन बदलावों की घोषणा की गई। नयी व्यवस्था के अनुसार, विधान परिषद की सीटों का विस्तार 90 तक कर दिया गया है और केवल 20 सीटों पर ही सदस्य जनता द्वारा निर्वाचित होकर आएंगे। अभी विधान परिषद की 70 में से आधी सीटों पर सदस्य सीधे निर्वाचित होकर आते थे। चीन ने पिछले साल हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था और इस साल वह चुनावी प्रक्रिया में बदलाव कर रहा है। हांगकांग में 2019 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे और जब सरकार ने प्रदर्शनकारियों की मांग मानने से इनकार कर दिया तो प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए थे। चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति ने हांगकांग के संविधान में संशोधनों को मंजूरी दी, जिससे शहर के विधानमंडल पर बीजिंग का नियंत्रण बढ़ जाएगा। नयी विधान परिषद में 20 निर्वाचित सदस्य होंगे, 30 सदस्य निर्वाचन क्षेत्रों द्वारा चुने जाएंगे और 40 सदस्य चुनाव समिति द्वारा चुने जाएंगे जो शहर के नेता का चुनाव करेगी। चुनाव समिति के सदस्य 1,200 से बढ़ाकर 1,500 किए जाएंगे। इस समिति में बीजिंग की केंद्र सरकार के समर्थकों की संख्या अधिक है। हांगकांग में राजनीतिक विपक्ष इन बदलावों को उन्हें शासन से दूर रखने के वृहद प्रयासों के तौर पर देखता है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने मार्च में रखे उस प्रस्ताव पर मुहर लगाई है जिसमें स्थायी समिति को मूल कानून में बदलाव करने का अधिकार दिया गया। हांगकांग में अब चुनाव कानूनों में बदलाव किया जाएगा और संशोधित कानून के तहत ही चुनाव कराए जाएंगे।

पाकिस्तान में 8 साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या के मामले में व्यक्ति को सुनाई मौत की सजा

लाहौर। पाकिस्तान में आतंकवाद रोधी अदालत ने पंजाब प्रांत में 2019 में आठ वर्षीय एक बच्ची से बलात्कार करने और उसकी हत्या करने के मामले में एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। न्यायाधीश नासिर हुसैन ने मोहम्मद इमरान को बच्ची की हत्या करने को लेकर आजीवन कारावास और बलात्कार एवं अपहरण के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनायी। साथ ही, उस पर 5,00,000 पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि जुर्माने की राशि मृतका के परिजनों को मुआवजे के रूप में दी जाए और जुर्माना नहीं चुकाने पर उसे और छह महीने की कारावास की सजा काटनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार मोहम्मद इमरान ने नवंबर 2019 में लाहौर से करीब 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर में आठ वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार किया था और उसकी हत्या कर दी थी।

अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए देश में और इसके आस-पास शांति होना आवश्यक है: जयशंकर

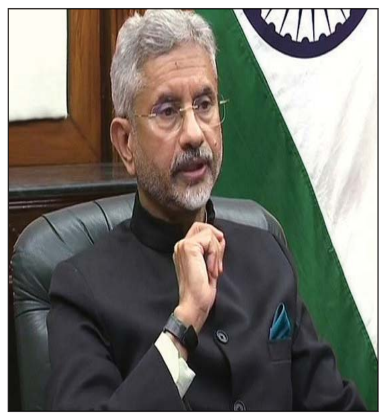

दुशांबे।(एजेंसी)।

भारत ने मंगलवार को रेखांकित किया कि युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए देश के भीतर और इसके आस-पास शांति होना आवश्यक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में यहां नौवें 'हार्ट ऑफ एशिया' मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस बात को रेखांकित किया कि अफगानिस्तान में शांति के लिए देश के भीतर और इसके आस-पास सभी के हित समान होने आवश्यक हैं। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए हमें सच्चे अर्थों में 'दोहरी शांति' यानी अफगानिस्तान के भीतर और इसके आस-पास शांति की आवश्यकता है। इसके लिए देश के भीतर और इसके आस-पास सभी के हित समान होने आवश्यक हैं।'' उन्होंने लिखा, ''यदि शांति प्रक्रिया को सफल बनाना है, तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वार्ता कर रहे पक्ष अच्छी नीयत के साथ और किसी राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता के साथ बातचीत करें।'' जयशंकर ने कहा, ''हम आज एक ऐसा समावेशी अफगानिस्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो दशकों के संघर्ष से पार पा सके, लेकिन ऐसा तभी संभव होगा, यदि हम उन सिद्धांतों के प्रति ईमानदार रहें, जो हार्ट ऑफ एशिया का लंबे समय से हिस्सा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''सामूहिक सफलता भले ही आसान नहीं हो, लेकिन इसका विकल्प केवल सामूहिक असफलता है।''

इस सम्मेलन में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी भाग लिया। जयशंकर ने 'हार्ट आफ एशिया-इस्तांबुल' प्रक्रिया के नौवें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कहा, ''हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जो न केवल अफगानिस्तान के लोगों के लिये बल्कि हमारे वृहद क्षेत्र के लिये भी महत्वपूर्ण है। अफगानिस्तान और इस वृहद क्षेत्र में जो कुछ घटित हो रहा है, उसे देखते हुए हमें 'हार्ट आफ एशिया' शब्दावली को हल्के में नहीं लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' एक स्थिर, सम्प्रभु और शांतिपूर्ण अफगानिस्तान वास्तव में हमारे क्षेत्र में शांति एवं प्रगति का आधार है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि इसलिये सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि यह आतंकवाद, हिंसक कट्टरपंथ, मादक पदार्थों एवं आपराधिक गिरोहों से मुक्त हो। उन्होंने अफगानिस्तान में स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि वादे चाहे जो भी किये गए हों, लेकिन हिंसा एवं खून-खराबा दैनिक वास्तविकता हैं और संघर्ष में कमी के काफी कम संकेत दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में आम लोगों को निशाना बनाकर उनकी हत्या किए जाने की घटनाएं बढ़ी हैं और 2019 की तुलना में 2020 में नागरिकों की मौत के मामलों में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। विदेश मंत्री ने कहा, ''2021 में भी स्थिति बेहतर नहीं हुई है। अफगानिस्तान में विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी खास तौर पर परेशान करने वाली है।''

उन्होंने कहा कि ऐसे में हार्ट आफ एशिया के सदस्यों एवं इसका समर्थन करने वाले देशों को हिंसा में तत्काल कमी लाने के लिये दबाव बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि स्थायी और समग्र संघर्षविराम हो सके। जयशंकर ने कहा कि भारत अंतर अफगान वार्ता सहित अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने की दिशा में सभी तरह के प्रयासों का समर्थक रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में स्थायी एवं समग्र संघर्ष विराम तथा सच्चे अर्थो में राजनीतिक समाधान की दिशा में किसी भी कदम का स्वागत करता है। उन्होंने कहा, ''भारत परिवर्तन के इस दौर में अफगानिस्तान का पूरी तरह से समर्थन करने को प्रतिबद्ध है। अफगानिस्तान के विकास में हमने तीन अरब डॉलर का योगदान दिया है।'' जयशंकर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत स्पष्ट रूप से ऐसा सम्प्रभु, लोकतांत्रिक और समावेशी अफगानिस्तान देखना चाहता है जो अपने देश के अल्पसंख्यकों का ख्याल रखता हो। उन्होंने कहा था, ''शांति और मेल-मिलाप की एक प्रक्रिया होती है और सभी यह कह रहे हैं कि तालिबान प्रयास कर रहा है और बदल रहा है। फिलहाल इंतजार करते हैं, फिर देखते हैं।'' जयशंकर के, यात्रा के दौरान सम्मेलन से इतर अन्य देशों के नेताओं से मिलने की संभावना है। तालिबान और अफगानिस्तान सरकार 19 साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए सीधे वार्ता कर रहे हैं। इस युद्ध में हजारों लोगों की जान चली गई और देश के कई हिस्से तबाह हो गए। भारत अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता के प्रयासों में बड़ा भागीदार रहा है।

इमरान खान ने दिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिट्ठी का जवाब, जानें क्या कहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिट्ठी का जवाब देते हुए उन्हें एक चिट्ठी लिखी है। इमरान खान ने अपनी चिट्ठी में फिर एकबार कश्मीर का राग अलापा है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से कहा है कि चिट्ठी में इमरान ने लिखा है, 'दक्षिण एशिया में टिकाऊ शांति और स्थिरता भारत और पाकिस्तान के बीच के सभी मुद्दों को हल करने के लिए आकस्मिक है। विशेष तौर पर विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर विवाद।'

पाकिस्तीन मीडिया डॉन के मुताबिक, इमरान खान ने 29 मार्च को पत्र में लिखा 'मैं पाकिस्तान दिवस पर बधाई देने वाले आपके पत्र के लिए धन्यवाद देता हूं। पाकिस्तान के लोग इस दिन को एक स्वतंत्र, संप्रभु राज्य की कल्पना करने में हमारे संस्थापक पिता की बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता को श्रद्धांजलि देकर मनाते हैं जहां वे स्वतंत्रता में रह सकते हैं और अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'पाकिस्तान के लोग भी भारत सहित सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण, सहयोगी संबंध चाहते हैं।' इमरान ने जोर देकर कहा, 'रचनात्मक माहौल का निर्माण एक परिणाम वाले संवाद के लिए जरूरी है।' अपने पत्र में उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारतीय लोगों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तानी पीएम इमरान खान को पत्र लिखकर पाकिस्तान दिवस पर बधाई दी थी। हालांकि मुताबिक भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से प्रत्येक वर्ष ऐसा पत्र पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के नाम लिखा जाता है।

पीएम मोदी द्वारा इमरान खान की चिट्ठी में लिखा था, 'एक पड़ोसी देश के रूप में, भारत पाकिस्तान के लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की इच्छा रखता है। इसके लिए, भरोसे का वातावरण, आतंक और शत्रुता से रहित माहौल जरूर है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे लिखते हैं, 'इस कठिन समय में मानवता के लिए, मैं आपको और पाकिस्तान के लोगों को कोविड़-19 महामारी की चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं।'

आपको बता दें कि पाकिस्तान में 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस मनाया जाता है।

पाकिस्तान और भारत के बीच तत्परता से हुई बातचीत से खुश है चीन

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच हाल ही में तत्परता से बातचीत होने को लेकर वह खुश है। साथ ही, उसने संकेत दिया कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता एवं विकास की दिशा में ''और अधिक सकारात्मक ऊर्जा लगाने'' के लिए वह इस्लामाबाद के साथ मिलकर काम करना चाहता है। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों की सेनाओं ने 25 फरवरी को घोषणा की थी कि वे जम्मू-कश्मीर और अन्य सेक्टरों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम को लेकर हुए सभी समझौतों की कड़ाई से पालन करने पर राजी हुए हैं। घोषणा के कुछ सप्ताह बाद ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भारत की ओर शांति का हाथ बढ़ाते हुए कहा था कि अब वक्त आ गया है कि दोनों पड़ोसी देश ''अपने अतीत को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ें।'' चीन के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता झाओ लिजियान ने संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम पाकिस्तान और भारत के बीच तत्परता से बातचीत होने को लेकर खुश हैं।''

हालांकि, देर शाम चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रवक्ता के हवाले सेअपलोड किए गए विवरण में कहा गया है कि चीन ''भारत के साथ पाकिस्तान के हालिया सकारात्मक बातचीत से खुश है।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हम पाकिस्तान के साथ मिलकर क्षेत्रीय शांति, स्थिरता एवं विकास की दिशा में और अधिक सकारात्मक ऊर्जा लगाना चाहेंगे।'' उनसे पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने को कहा गया था। अल्वी ने 25 मार्च को पाकिस्तान दिवस परेड में कहा था कि चीन देश का ''सबसे करीबी मित्र है।'' अल्वी की टिप्पणी का स्वागत करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता ने तनाव को कम करने के लिए हाल में भारत-पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों का भी संदर्भ दिया।

आने वाले वक्त में और बढ़ सकता है कोरोना का प्रकोप, जो बाइडेन और सीडीसी ने चेताया

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि देश में बहुत से लोगों का यह मानना कि कोरोना वायरस महामारी पर विजय प्राप्त कर ली गई है, लेकिन ऐसा सोचना जल्दबाजी है। उन्होंने लोगों से मास्क लगाने और अन्य प्रकार की सावधानी बरतने की अपील की और कोविड-19 की 'चौथी लहर' के बारे में चेताया। सीडीसी की प्रमुख डॉ. रोशेल वालेंस्की ने कहा कि अगर लापरवाही बरती गई, तो भविष्य में स्थिति और भयावह हो सकती है। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गई है, जब बाइडन ने घोषणा की है कि अगले पांच सप्ताह में सभी वयस्क कोरोना वायरस का टीका लगवाने के लिए पात्र होंगे। बाइडन ने कहा, 'यह बेहद गंभीर है।' उन्होंने राज्यों के गवर्नरों से मास्क और अन्य प्रतिबंधों को फिर से अनिवार्य करने का आग्रह किया है।

इससे पहले वाइट हाउस की प्रेस वार्ता में रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक डॉ. वालेंस्की कोविड-19 के मरीजों के उपचार के दौरान के अपने अनुभवों को साझा करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, 'हमें आगे बहुत कुछ करना है और बहुत सी उम्मीदें हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अभी मुझे डर लग रहा है। मुझे भविष्य में स्थिति और खराब होने की आशंका है।' उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह के मुकाबले संक्रमण के मामलों में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है और प्रतिदिन 60,000 मामले सामने आ रहे हैं। वालेंस्की ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मृतकों की संख्या भी बढ़ रही है। उन्होंने चेताया कि अगर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो अमेरिका की हालत यूरोपीय देशों जैसी हो जाएगी, जहां संक्रमण के मामले और मृतकों की फिर से संख्या बढ़ रही है।

अमेरिका में 19 अप्रैल से 90प्र. युवा ले सकेंगे कोरोना रोधी टीका, जो बाइडेन ने किया ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घोषणा की है कि अमेरिका में 19 अप्रैल से 90 प्रतिशत युवा कोविड-19 टीकाकरण के लिए योग्य होंगे और शेष 10 प्रतिशत एक मई तक इसके योग्य होंगे। बाइडन की यह घोषणा शीर्ष विशेषज्ञ द्वारा देश पर 'प्रलयकारी' खतरा मंडराने की आशंका जताने के बीच आई है। बाइडेन ने एक बार फिर राज्य प्राधिकारियों से आह्वान किया कि वे सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने को अनिवार्य बनाएं ताकि महामारी से लड़ा जा सके जो 'एक ऐसे युद्ध के समान है जिसपर तुरंत जीत मिलती' नजर नहीं आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति की टीकाकरण की समयसारिणी रोग नियंत्रण एवं निवारण केंद्र के निदेशक डॉ. रोशेल वालेंस्की की चेतावनी के एक दिन बाद आई है। वालेंस्की ने कहा था कि हम 'प्रलय के मुहाने' पर हैं क्योंकि पूरे अमेरिका में कोरोना वायरयस संक्रमितों एवं अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अमेरिका में पिछले सप्ताह रोजाना करीब 60 हजार नए मरीज आए और कुल मरीजों की संख्या में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अफगानिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान में काम कर रही तीन महिलाओं की हत्या

काबुल। अफगानिस्तान में पोलियो उन्मूलन के लिये शुरू किये गए नए अभियान के एक दिन बाद ही पूर्वी अफगानिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकरण अभियान में काम कर रही तीन महिलाओं को मंगलवार को हमलावरों ने मार डाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नांगरहर प्रांत में पुलिस के प्रवक्ता फरद खान ने बताया कि प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में दो अलग-अलग घटनाओं में इन महिलाओं की हत्या की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस जिला संख्या-7 में दो महिलाओं की गोली मारकर हत्या की गई जबकि तीसरी महिला की हत्या जिला संख्या-4 में की गई।

गवर्नर कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक, स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया है कि मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मीडिया से बात करने के लिये अधिकृत नहीं होने की वजह से अधिकारी ने अपना नाम जाहिर नहीं किया। इस हमले की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन पूर्वी अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह द्वारा हमलों में हाल में तेजी देखी गई है। आईएस आतंकियों ने शियाओं के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर रखी है और देश में अल्पसंख्यक हजारा समुदाय के लोगों को अक्सर निशाना बनाते रहते हैं। सरकार ने सोमवार को देश भर में पोलियो उन्मूलन के लिये एक और दौर के अभियान की शुरुआत की थी जिसके तहत पांच साल से कम उम्र के 96 लाख बच्चों को पोलियो की दवा दी जानी थी। पिछले साल पोलियो के 54 नए मामले सामने आने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। पोलियो के 2020 में सामने आए नए मामले 2001 में तालिबान सरकार के खत्म होने के बाद से सबसे ज्यादा हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक अफगानिस्तान और उसका पड़ोसी पाकिस्तान दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अब भी बना हुआ है।

विदेश में रह रहे भारतीयों के लिए खुशखबरी! अब भारत यात्रा के लिए पुराने पासपोर्ट की नहीं पड़ेगी जरूरत

ओटावा। (एजेंसी)।

वाशिंगटन। भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) का कार्ड रखने वाले भारतीय मूल या भारतीय समुदाय के लोगों को अब भारत जाने के लिए अपने पुराने पासपोर्ट साथ रखने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय दूतावास ने केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना का जिक्र करते हुए सोमवार को बताया कि ओसीआई कार्ड के साथ पुराने पासपोर्ट रखने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इस घोषणा ने विदेशों में रह रहे भारतीयों की एक बड़ी चिंता को दूर कर दिया है। दूतावास ने कहा, ''अब से, पुरानी पासपोर्ट संख्या वाले मौजूदा ओसीआई कार्ड के सहारे यात्रा करने वाले ओसीआई कार्ड धारक को पुराना पासपोर्ट साथ रखने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन नया (मौजूदा) पासपोर्ट साथ रखना अनिवार्य होगा।''

दूतावास ने बताया कि भारत सरकार ने 20 साल से कम और 50 साल से अधिक की आयु वाले कार्डधारकों के लिए ओसीआई कार्ड पुनः जारी करने की समय सीमा और बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2021 करने का फैसला किया है। वर्ष 2005 से लागू ओसीआई के दिशानिर्देशानुसार, 20 साल से कम और 50 साल से अधिक आयु के कार्डधारकों को हर बार नया पासपोर्ट बनवाने पर अपना कार्ड पुनः जारी कराना होता है। भारत सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के कारण इसकी समय सीमा कई बार बढ़ाई है, लेकिन ओसीआई कार्डधारकों के लिए यात्रा के दौरान पुराने पासपोर्ट को साथ रखने की अनिवार्यता में छूट पहली बार दी गई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन में रियायत देने का ऐलान किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने लोगों से सतर्क रहने का सोमवार को आग्रह किया और साथ में उन्होंने घर में रहने के आदेश को आधिकारिक तौर पर खत्म किया जिससे सख्त कोविड-19 लॉकडाउन में राहत देने के पहले चरण का रास्ता प्रशस्त हुआ। इसके बाद खुले स्थानों पर अधिक गतिविधियों की इजाजत दी जाएगी। जॉनसन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पाबंदियों में रियायत देने के उनके रोडमेप का पहला चरण 'ग्रेट ब्रिटिश समर आफ स्पोर्ट'का आगाज़ करेगा, क्योंकि लोग खुले में खेलों से संबंधित गतिविधियों का आयोजन कर पाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जहां तक मुमकिन हो लोग घर से ही काम करें ताकि घातक वायरस को काबू करने में हासिल की गई प्रगति खतरे में नहीं पड़े। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷आज ब्रिटेन में प्रतिबंधों को सावधानीपूर्वक कम करने के हमारे रोडमैप के अगले चरण का दिन है। कृपया नए नियम का ध्यान से पालन करें ताकि हम धीरे-धीरे एक साथ सामान्य स्थिति को वापस हासिल कर सकें।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फातिमा सना शेख

हुई कोरोना पॉजिटिव, सोशल मीडिया पर किया ये पोस्ट

फातिमा ने बताया कि उन्होंने खुद को घर में अलग-थलग कर लिया है और लोगों से प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है.

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कोविड-19 की जांच करवाई, जिसमें वह कोरोनावायरस से संक्रमित पाई गई हैं. सोमवार को पोस्ट किए एक संदेश में फातिमा ने बताया कि उन्होंने खुद को घर में अलग-थलग कर लिया है और लोगों से प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 卐मैं कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव निकली. इस समय सभी सावधानियों और प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं. आप सबकी शुभेच्छाओं और चिंता के लिए धन्यवाद. सुरक्षित रहें दोस्तो.

फिल्म दंगल में फातिमा के पिता की भूमिका निभा चुके अभिनेता आमिर खान भी कोविड-19 पॉजिटिव हो चुके हैं. पिछले कुछ दिनों में रणबीर कपूर, कार्तिक आर्यन, विक्रांत मैसी, परेश रावल, मिलिंद सोमन, आर. माधवन और रोहित सराफ सहित कई बॉलीवुड हस्तियां करोना की चपेट में आ चुके हैं.फामिता ने साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म तहान में भी अहम भूमिका निभाई थी. इस फिल्म को 2009 में जर्मनी में हुए बॉलीवुड एंड बियोंड फेस्टीवल में द जर्मन स्टार ऑफ इंडिया अवॉर्ड मिला ? था.

इतना ही नहीं फातिमा ने फिल्मों के साथ साथ छोटे पर्दे पर भी काम किया है. लेडीज स्पेशल, बेस्ट ऑफ लक निक्की और अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो में काम कर चुकी हैं. फातिमा ने करियर की ये बुलंदियां अपने दम और कड़ी स्ट्रगल के जरिए हासिल की हैं. फिल्मों में फामिता का कभी कोई गॉडफादर नहीं रहा है.दंगल इतनी सुपरहिट फिल्म थी कि उसके बाद एक्ट्रेस फातिमा से काफी उम्मीदें बढ़ गई. उसके बाद उन्होंने फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, लूडोऔर सूरज पे मंगल भार में काम किया हैं. लूडो और सूरज पे मंगल भारी ओटीटी ? पर रिलीज़ हुई लेकिन यह फिल्में दंगल जैसा कमाल नहीं कर पाई इसलिए आज भी ज़्यादातर लोग दंगल गर्ल के नाम से ही फातिमा सना शेख को पहचानते हैं. उनकी आने वाली फिल्म भूत पुलिस जिसमें अभिनेता सैफ अली खान और अली फजल के साथ नजर आएंगी.

प्रियंका चोपड़ा ने ससुराल में सेलिब्रेट की होली, पति निक जोनस और सास-ससुर पर भी चढ़ा रंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भले ही अपने पति निक जोनस के साथ विदेश में सेटल हो गई हों, लेकिन वहां रहकर भी वो भारत की परंपराओं और त्यौहारों को नहीं भूलती हैं। चाहें होली हो, दीवाली हो या करवाचौथ... एक्ट्रेस विदेश में रहकर भी अपने सारे त्यौहार बहुत अच्छे से सेलिब्रेट करती हैं और अपने फैंस को बधाई देना नहीं भूलती हैं। आज होली के मौके पर प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज़ शेयर की हैं जिनमें वो पति निक जोनस और सास-ससुर के साथ होली के रंग में रंगी नज़र आ रही हैं।

एक्ट्रेस की फोटो में दिख रहा है कि प्रियंका समेत सभी ने सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं और सभी लोगों के कपड़ों और चंहरे पर लाल पीले रंग लगे हुए हैं। फोटो में प्रियंका ने हाथ में पिचकारी पकड़ी हुई है तो वहीं सभी कैमरे की तरफ देखकर पोज़ दे रहे हैं। इस फोटो के अलावा एक्ट्रेस कुछ और भी फोटोज़ शेयर की हैं जिनमें होली के ढेर सारे रंग रखे हुए दिख रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा है, 'होली रंगों का त्यौहार मेरे फेवरेट लोगों के साथ... हम सब इसे अपने चाहने वालों के साथ सेलिब्रेट कर सकते हैं, लेकिन अपने घर पर'। आप भी देखें फोटोज़। आप भी देखें फोटोज़।

प्रियंका को पति और अमेरिकन पॉप स्टार निक जोनस ने भी यही फोटोज़ अपने इंस्टा पर शेयर करते हुए सभी को होली की बधाई दी है।

प्रियंका के अलावा तमाम अमिताभ बच्चन, सारा अली ख़ान, करीना कपूर ख़ान, अर्जुन रामपाल, कंगना रनोट, रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूज़ समेत कई बॉलीवुड सितारों ने होली के मौके पर अपने फैंस को ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। किसी ने अपने परिवार के साथ थ्रोबेक फोटो शेयर की है तो किसी ने फनी वीडियो शेयर कर लोगों को होली की बधाई दी है।

Holi पर एक दूसरे के प्यार में डूबे दिखे राहुल वैद्य और दिशा परमार, शेयर कीं ये रोमांटिक फोटोज़

आज पूरा देश रंगों के त्यौहार होली के रंग में डूबा हुआ है तो ऐसे में सेलेब्स कैसे पीछे रह सकते हैं। हालांकि कोरोना के खतरे ने इस बार होली का रंग थोड़ा फीका कर दिया है, लेकिन लोग फिर भी अपने ख़ास लोगों के साथ थोड़ा बहुत होली सेलिब्रेशन तो कर ही रहे हैं। फेमस सिंगर और बिग बॉस 14 फाइनलिस्ट राहुल वैद्य ने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार के साथ होली सेलिब्रेट की है। राहुल और दिशा के होली सेलिब्रेशन की फोटोज़ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें लविंग कपल एक दूसरे के प्यार में डूबा नज़र आ रहा है। राहुल और दिशा अब लोगों के फेवरेट कपल में से एक हैं दोनों की फोटोज़ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आते ही वायरल हो जाती हैं। राहुल ने अपने इंस्टाग्राम पर दिशा के साथ होली सेलिब्रेशन की फोटोज़ शेयर की है जिनमें दोनों रंगों के साथ खेलते दिख रहे हैं। इन रोमांटिक फोटोज़ में राहुल और दिशा एक दूसरे के प्यार में डूबे दिख रहे हैं ।फोटोज़ में दिख रहा है कि राहुल ने दिशा को बड़े सुकून के साथ गले लगा रखा है और दिशा भी प्यार से उन्हें थामे हुए दिख रही हैं। दोनों की ये रोमांटिक फोटोज़ फैंस को भी काफी पसंद आ रही हैं। फोटोज़ शेयर करते हुए राहुल ने सभी को होली को मुबारकबाद दी है। इन फोटोज़ के अलावा राहुल ने दिशा के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें सिंगर अपनी गर्लफ्रेंड को रंग लगाने के लिए भागते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो और फोटोज़ में दोनों सफेद रंग का कुर्ता और डेनिम जींस पहनी हुई है और दोनों बड़ी मस्ती के साथ होली सेलिब्रेट कर रहे हैं।

आपको बता दें राहुल और दिशा फिलहाल सोशल मीडिया के सबसे फेमस और फेवरेट कपल में से एक हैं। राहुल ने दिशा को बिग बॉस 14 के दौरान प्रपोज़ किया था उसके बाद से ही दोनों जहां भी साथ में जाते हैं वहां पैपराज़ी उनके पीछे पहुंच जाते हैं। दोनों की फोटोज़ सोशल मीडिया पर बहुत वायरल होती हैं।

करीना कपूर और सैफ के साथ सारा अली खान

ने की पूल पार्टी, व्हाइट बिकिनी पहनें तस्वीरे वायरल

बीते दिन पूरे देश में होली की धूम देखने को मिली, ऐसे में बॉलीवुड के सितारों ने भी खूब मस्ती की। इस बीच बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से फैन्स को भी बधाई दी। इस बीच सारा अली खान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं, जिनमें वो व्हाइट बिकिनी में नजर आ रही हैं।

सारा का देसी अंदाज

दरअसल होली के बाद सारा अली खान, पिता सैफ अली खान और करीना कपूर खान के नए घर पहुंची। इस खास मौके पर सारा बेहद खूबसूरत लग रही थीं। सफेद सूट के साथ रंग बिरंगी चूड़ियों में सारा अली खान ने सभी का दिल जीत लिया। सारा के ये फोटोज फैन्स को भी खूब पसंद आए।

बिकिनी में फोटोज हुए वायरल

ई-टाइम्स की एक रिपोर्ट् के मुताबिक करीना और सैफ के घर होली के खास मौके पर पूल पार्टी रखी गई, जहां से सारा अली खान का कुछ बेहद बोल्ड फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आए। फोटोज में सारा अली खान व्हाइट बिकिनी में नजर आईं। फैन्स को जहां सारा का देसी अंदाज पसंद आया तो वहीं इस बोल्ड अवतार को भी सोशल मीडिया यूजर्स ने पसंद किया।

अतरंगी रे में आएंगी नजर

बता दें कि सारा अली खान उन एक्ट्रेसेस में शुमार हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैन्स के साथ अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। सारा अली खान जल्दी ही फिल्म अतरंगी रे में नजर आएंगी। इस फिल्म में सारा के साथ अक्षय कुमार और धनुष मुख्य किरदारों में दिखेंगे।

केदारनाथ से किया डेब्यू

गौरतलब है कि सारा अली खान ने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में सारा के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे। केदारनाथ के बाद सारा की जोड़ी रणवीर सिंह के साथ फिल्म सिम्बा में बनी। वहीं सारा की तीसरी फिल्म कार्तिक आर्यन के साथ लव आज कल थी। इसके साथ ही सारा आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म कुली नंबर वन में दिखी थीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

नया कोविड वायरस ज्यादा खतरनाक, लोगों को सतर्क रहने की जरूरत: जयराम ठाकुर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने आगाह किया है कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप अधिक शक्तिशाली और खतरनाक है तथा लोगों को कोविड संबंधी सावधानियों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है, ठाकुर धर्मशाला के पास डॉ राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में एक बैठक में राज्य में कोविड -19 की स्थिति का जायजा ले रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना वायरस के नए स्वरूप में खांसी या बुखार के लक्षण नहीं दिखते और मरीजों को सिर्फ जोड़ों में दर्द, कमजोरी और भूख नहीं लगने और निमोनिया की शिकायत होती है। उन्होंने पुराने स्वरूप की अपेक्षा नए स्वरूप के अधिक खतरनाक होने का जिक्र करते हुए कहा कि इसलिए बेहतर रहेगा कि लोग अधिक सतर्क रहें और खुद का, परिवार और समाज का बचाव करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी व्यक्ति बिना मास्क अपने घर से बाहर नहीं निकले और सामाजिक दूरी का पालन हों। ठाकुर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को कोरोना संबंधी जांच को बढ़ाने का निर्देश दिया ताकि सामुदायिक प्रसार को रोका जा सके।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में तेज आंधी के कारण लगी भीषण आग

मुरैना। मध्य प्रदेश के जिले में मंगलवार को दोपहर के समय अचानक आई तेज आंधी के कारण अम्बाह, पोरसा क्षेत्र के आधा दर्जन स्थानों पर आग लग गई। इनमें से पोरसा क्षेत्र के पूठ का पुरा में लगी आग से एक दर्जन से अधिक दुधारू पशुओं की मौत हो गई। वहीं गांव के 8 घरों में आग से घरेलू सामान, दुपहिया वाहन जलकर राख हो गये। इस आग का प्रभाव गांव के 15-16 घरों पर हुआ। लगभग 2 घंटे तक दमकल न पहुंचने के कारण आग ने खलियानों में रखी फसल, लकड़ी, कड्डों को भी चपेट में ले लिया। पुलिस अधीक्षक की सूचना पर मुरैना जिले के साथ-साथ भिण्ड जिले से भी दमकलों ने आकर आग पर काबू पाया। आगजनी स्थल के पड़ोसी गांव के लोग भी सैकड़ों की संख्या में लोगों के साथ-साथ टैंकरों से आग बुझाने का प्रयास किया गया। आगजनी से 10 लाख रुपये से अधिक के नुकसान की संभावना जताई जा रही है। जानकारी मिलते ही पुलिस का दल आगजनी स्थल पर पहुंच गया। आग बुझाने में आंधी के कारण बंद हुई बिजली भी बाधा बन गई।

नोएडा में कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के 1 घंटे बाद ही 49 वर्षीय व्यक्ति की मौत, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी पोस्टमॉर्टम

नोएडा। नोएडा के जिला अस्पताल में में मंगलवार को कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के एक घंटे बाद हाई बल्ड प्रेशर और एनजाइना से पीड़ित एक 49 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतक व्यक्ति समय लाल मूल रूप से मध्य प्रदेश के सतना का रहने वाला था, वर्तमान में सेक्टर-37 के पास निठारी गांव में रहता था और नोएडा के एक निजी स्कूल में बस ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. दीपक ओहरी ने कहा कि समय लाल मंगलवार को सुबह 9.48 बजे वैक्सीनेशन के लिए जिला अस्पताल आया था। अपनी मेडिकल हिस्ट्री में उसने हाई बल्ड प्रेशर और एनजाइना जैसी बीमारियों से पीड़ित होने का जिक्र किया था, लेकिन रजिस्ट्रेशन के समय उसका ब्लड प्रेशर सामान्य था, उसका नाम कोमोरबिडिटीज के साथ 45 साल से ऊपर के लाभार्थियों की लिस्ट में दर्ज किया गया था। उसे सुबह 10.40 बजे वैक्सीन दी गई थी। वैक्सीन लगने के बाद उसे ऑब्जर्वेशन रूम में ले जाया गया, जहां 30 मिनट रोकने के बाद उसे घर जाने के लिए कहा गया था।

बिहार में अलग-अलग हादसे में आग की चपेट में आने से 9 बच्चों की मौत

अररिया-भागलपुर (बिहार)।अररिया और भागलपुर जिले में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में 9 बच्चों की मौत हो गयी है। अररिया जिले के पलासी थाना क्षेत्र के कवैया गांव के वार्ड नंबर 6 में मंगलवार की दोपहर आग की चपेट में आकर छह बच्चों की मौत हो गयी। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक एजाज हफीज ने बताया कि मृतकों में फारूक के चार वर्षीय पुत्र बरकश, मतीन के पांच वर्षीय पुत्र अली हसन, मंजूर के पांच वर्षीय पुत्र दिलवर, युनुस के पांच वर्षीय पुत्र अशरफ एवं चार वर्षीय पुत्री गुलनाज तथा तनवीर की छह वर्षीय पुत्री खुशनिहा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बच्चे गेंहू की नयी फसल की बालियां भून रहे थे, उसी क्रम में आग से निकली चिंगारी पास की एक फूंस की झोपड़ी पर पड़ी जिससे झोपड़ी में आग लग गयी। बच्चे डर से झोपड़ी के भीतर छुपने गए और वहीं आग की चपेट में आ गए।

मास्क न पहनने पर मुंबई पुलिस ने 5 लोगों को मुर्गा बनाकर चलवाया

मुंबई। दक्षिण मुंबई में मरीन ड्राइव पर समुद्र में जाने की कथित कोशिश के लिए कम से कम पांच व्यक्तियों को सजा दी गई और उन्हें 'मुर्गा बनाकर चलवाया' गया। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर को हुई जहां लोगों के एक समूह ने समुद्र में जाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि वहां गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों के एक दल ने सजा के तौर पर इन लोगों को 'मुर्गा बनकर चलने' के लिए कहा। उन्हें सुरक्षा को लेकर चेतावनी देने के बाद छोड़ दिया गया।

पुडुचेरी में नारायणसामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार एक आपदा थी: पीएम मोदी

पुडुचेरी। (एजेंसी)।

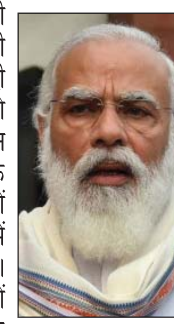

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी नारायणसामी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली पार्टी की पिछली सरकार एक 'आपदा' थी और यह सरकार सभी मोर्चों पर नाकाम थी। मोदी ने साथ ही राज्य में विकास सुनिश्चित करने के लिये राजग की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। एआईएनआरसी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री एन रंगासामी, अन्नाद्रमुक और भाजपा नेताओं की मौजूदगी में राजग की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें चुनावी राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और इस केंद्र शासित प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के समर्थन में 'बड़ी लहर' देखी है। यहां छह अप्रैल को एक चरण में मतदान होना है। एक के बाद एक इस्तीफों के चलते अपनी सरकार के अल्पमत में आने से पिछले महीने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने वाले नारायणसामी पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सालों तक काम न करने वाली कांग्रेस सरकारों की लंबी सूची में पुडुचेरी की पिछली सरकार का विशेष स्थान है। आला कमान की सरकार, पुडुचेरी की दिल्ली के आलाकमान की सरकार सभी मोर्चों पर नाकाम थी।' मोदी ने आरोप लगाया कि नारायणसामी के नेतृत्व वाली सरकार शिक्षा, चिकित्सा सीटों को भरने, अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय के कल्याण जैसे सभी क्षेत्रों में नाकाम रही और 'यहां सिर्फ लूट ही लूट थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक 'पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार से सीधे संबंधित' भ्रष्टाचार के बारे में 'खुले तौर पर बात कर रहे हैं'। मोदी ने कहा कि उनका 'राजनीति में काफी लंबा अनुभव है' और उन्होंने कई चुनाव देखे हैं लेकिन इस साल यहां हो रहे चुनाव 'खास' हैं। मोदी ने नारायणसामी के बारे में कहा, 'क्योंकि निवर्तमान मुख्यमंत्री को टिकट नहीं दिया गया। कई सालों की वफादारी, नेताओं की चप्पलें उठाना, अपने नेता (राहुल गांधी) को खुश करने के लिये गलत अनुवाद करना-इसके बावजूद टिकट नहीं- यह दिखाता है कि उनकी सरकार कितनी बड़ी आपदा थी।

संस्कार भारती के परिसर का उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे मोहन भागवत

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े संस्कार भारती के नये परिसर का उद्घाटन दो अप्रैल को संघ प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए होगा। यह जानकारी जारी एक बयान में दी गई। संस्कार भारती द्वारा मंगलवार को जारी बयान में कहा गया यहां दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित परिसर कला एवं संस्कृति गतिविधि परिसर होगा और इसे कला संकुल नाम दिया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कला, साहित्य और रंगमंच की विभिन्न विधाओं को एक एकीकृत प्रारूप में प्रदर्शित करने के लिए समर्पित होगा और इसे व्यापक पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि परिसर का उद्घाटन आरएसएस प्रमुख भागवत की मौजूदगी में किया जाएगा और इस कार्यक्रम के लिए केवल चुनिंदा लोगों को आमंत्रित किया गया है। परिसर में एक पुस्तकालय, आर्ट गैलरी, प्रेक्षागृह, स्टूडियो और कॉन्फ्रेंस रूम सहित कई सुविधाएं हैं। संस्कार भारती ने कहा कि कला संकुल कला और संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र होगा। उसने कहा कि संस्कार भारती का उद्देश्य भारत के पारंपरिक, शास्त्रीय, लोक और आधुनिक कलाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में राष्ट्रीय मूल्य उत्पन्न करना है।

परिवर्तन की आहट के डर ने ममता को 'यूपी-बिहार के गुंडे' जैसे बयान देने पर किया मजबूर! इससे किसे होगा फायदा?

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल चुनाव के वोटिंग फेज जैसे-जैसे गुजरते जा रहा हैं वैसे ही प्रदेश की राजनीतिक रणभूमि बदलती जा रही है। यहां बीजेपी पुरजोर तरीके से चुनावी मैदान में उतर चुकी है। जय श्री राम का नारा बीजेपी का हर नेता लगा रहा है और ममता बनर्जी तो जैसे ही जय श्री राम सुनती हैं उनका तो रक्तचाप बढ़ जाता है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा हो या गृह मंत्री अमित शाह कभी रथ यात्रा तो कभी रोड शो के जरिये बंगाल में चुनावी रण जीतने के लिए लगे हैं। वहीं व्हील चेयर पर पदयात्रा के सहारे प्रचार कर रही ममता बनर्जी ने नंदीग्राम को अपनी नाक का सवाल बना लिया है और वो किसी भी तरह से उसे जीतना चाहती हैं। शुभेंदु अधिकारी को हराने के लिए ममता बनर्जी ने पूरा जोर लगा दिया है। फर्स्ट फेज में बंपर वोटिंग के बाद परिवर्तन की आहट के डर ने ममता को नंदीग्राम में ही कई दिनों तक डेरा डालने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल चुनाव में बिहार और बिहारी लोगों की चर्चा खूब हो रही है। वजह है लगातार दो दिनों से ममता बनर्जी का यूपी-बिहार के लोगों को टारगेट किया जाना।

बीजेपी यूपी-बिहार से ला रही गुंडे : ममता बनर्जी लगातार अपने बयानों के जरिये यूपी-बिहार से आए लोगों को गुंडा बताकर निशाना साध रहीं हैं। ममता बनर्जी ने बीजेपी कार्यकर्ता की मां शोवा मजूमदार की मौत का आरोप बीजेपी पर ही लगाते हुए कहा कि उनके पास अपनी पार्टी की एक और महिला की हत्या कराने का प्लान है। ये लोग उत्तर प्रदेश और बिहार से लाए गुंडों से महिला की हत्या कराएंगे और दोष बंगाल पर मढ़ देंगे। इससे पहले भी पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के क्रम में ममता ने कहा था कि उन पर हमला किसी व्यक्ति ने नहीं किया बल्कि उन पर हमला करने के लिए बीजेपी वाले यूपी और बिहार से गुंडे लेकर आए थे। इसके साथ ही ममता ने कहा कि अगर वे लोग दिखते हैं तो महिलाओं को उन्हें बर्तनों से पीटना चाहिए। दरअसल, ममता बनर्जी अपनी चुनावी सभाओं के माध्यम से बंगाली बनाम बाहरी का नरेटिव सेट करना चाहती है।

ममता के बयान से किसे होगा फायदा : यूपी और बिहार दोनों ही जगह बीजेपी सत्ता में है। वहीं ममता द्वारा जाने-अनजाने में लगातार बिहार और यूपी के लोगों की भावनाएं आहत कर रही हैं। ममता अक्टूबर-नवंबर से ही ये आरोप लगा रही है कि बीजेपी लगातार यूपी और बिहार से गुंडों को बुला रही है। बीजेपी को यकीन है कि ममता के इस तरह के तीखे हमले से बंगाल की उन सीटों पर उसे फायदा मिल सकता है जहां यूपी और बिहार से आए लोगों की संख्या अधिक है। राजनीति के जानकारों की मानें तो ममता अपने बयानों के जरिये यूपी बिहार के हिंदी भाषी वोटरों को ठेस पहुंचा रही हैं। वहीं बीजेपी को उम्मीद है कि बंगाल में रहने वाले बिहार और यूपी के लोग उसका साथ देंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदी भाषी की आबादी 63 करोड़ यानी 6.96 फीसदी है।

पीएम बोले- टैगोर की भूमि पर कोई भारतीय नहीं : मिदनापुर की रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने बाहरी और अंदरूनी का मुद्दा उठाते हुए कवि गुरु रविंद्र नाथ टैगोर के लिखे राष्ट्रगीत का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि गुरुदेव ने पूरे देश को एकता के डोर में पिरोया था। आज उसी गुरुदेव की भूमि बंगाल से दीदी बाहरी कह रही हैं। लेकिन गुरुदेव के भूमि के लोग किसी भी भारतीय को बाहरी नहीं मानते हैं।

कांग्रेस के दो सदस्य परिवार को बचाने के लिये सियासत कर रहे हैं: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बोड़भाग/गौरीपुर(असम)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा के परोक्ष संदर्भ में केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वे 'असमिया संस्कृति को नहीं जानते' और केवल 'परिवार के अस्तित्व के लिये' राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने हालांकि भाई-बहन का नाम नहीं लिया। भाजपा की वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस पर असम में पूर्व में किए गए चुनावी वादों को पूरा न कर पाप करने का भी आरोप लगाया। गांधी परिवार के सदस्यों का नाम लिये बगैर केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने कहा, 'कुछ दिन पहले गांधी परिवार के दो सदस्य असम आए थे। वे असमिया संस्कृति को नहीं जानते और सिर्फ परिवार को बचाने के लिये राजनीति करते हैं।' ईरानी ने 2019 के आम चुनावों में उत्तर प्रदेश के अमेठी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराया था। असम में कई चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने लोगों से विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की और भगवा पार्टी को फिर से असम में सत्ता में लाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने लोगों के उन सपनों को तोड़कर अपराध किया है जो उसने उन्हें सत्ता में आने से पहले दिखाए थे।' कांग्रेस 2001 से 2016 तक लगातार तीन बार असम में सत्ता में थी। ईरानी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजनाएं शुरू की हैं जिनसे उन लोगों को सीधे फायदा पहुंच रहा है जो पूर्व में कल्याणकारी कार्यक्रमों से वंचित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब केंद्र में सत्ता में थी तो वह असम के लिये आवंटित धन भी विकास के लिये वहां नहीं भेजती थी। कांग्रेस की गठबंधन सहयोगी एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक पार्टी करार देते हुए ईरानी ने कहा, 'लोगों के बीच सांप्रदायिक वैमनस्य मत फैलाओ और भाइयों को मत लड़वाओ। असमिया लोग अपने परिवारों के विकास व कल्याण के लिये मतदान करेंगे।' असम में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिये 27 मार्च को मतदान हुआ था जबकि दो और चरणों में एक और छह अप्रैल को बची हुई सीटों पर मतदान होगा।

नंदीग्राम चुनाव: ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे शुभेंदु के लिये राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई

नंदीग्राम (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की चर्चित नंदीग्राम सीट पर भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी अपने राजनीतिक अस्तित्व को बरकरार रखने के लिए उन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से मुकाबला कर रहे हैं जिनको 14 साल पहले जबरन कृषि भूमि अधिग्रहण के खिलाफ रक्त रंजित संघर्ष में उन्होंने भरपूर सहयोग दिया था। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के इस कृषि प्रधान क्षेत्र ने पश्चिम बंगाल में साढ़े तीन दशक तक सत्ता पर काबिज रहे वाम मोर्चे के सिंहासन को हिला कर रख दिया था। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि में मिले लाभ के कारण 2011 में तृणमूल सत्ता में आई थीं। अब यह क्षेत्र दीदी (ममता बनर्जी) और दादा (अधिकारी) के बीच बंटा हुआ दिखाई दे रहा है। नंदीग्राम के चुनाव को इस बार केवल राजनीतिक लड़ाई के तौर पर ही नहीं बल्कि नंदीग्राम आंदोलन की विरासत के दावेदारों के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। तृणमूल का साथ छोड़ भाजपा में शामिल हुए अधिकारी कहते हैं, मैंने अपने जीवन में कई मुश्किल चुनौतियों का सामना किया है। मैं इस बार भी कामयाबी हासिल करूंगा। मैं किसी से डरता नहीं हूं और सच बोलने से भी नहीं डरता। अधिकारी (50) ने नंदीग्राम में प्रचार अभियान के दौरान कहा, मैं नंदीग्राम के लिये लड़ रहा हूं। बंगाल के लोगों के लिये लड़ रहा हूं। अधिकारी के लिये नंदीग्राम का चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई बन गया है क्योंकि इस चुनाव में हार उनके लिये तगड़ा झटका होगा। साथ ही नयी पार्टी भाजपा में उनके राजनीतिक भविष्यपर भी सवालिया निशान लग जाएगा।

वहीं, जीत मिलने की सूरत में वहन केवल बंगाल में खुद को भाजपा के सबसे बड़े नेता के तौर पर स्थापित करने में कामयाब होंगे बल्कि राज्य में पार्टी की जीत होने पर वह मुख्यमंत्री की कुर्सी के भी काफी करीब पहुंच सकते हैं। अधिकारी ने बड़ी ही तेजी से अपनी छवि भूमि अधिग्रहण आंदोलन के समावेशी नेता से बदलकर हिंदुत्व के पैरोकार वाले नेता के रूप में कर ली है। अब वह दावा कर रहे हैं कि अगर वह चुनाव हारते हैं तो तृणमूल नंदीग्राम को मिनी पाकिस्तान बना देगी। हाल ही में तृणमूल छोड़ भाजपा में आए शुभेंदु के पिता शिशिर अधिकारी कहते हैं, ममता ने शुभेंदु का राजनीतिक करियर खत्म करने के लिये उनके खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया क्योंकि वह उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के लिये चुनौती बनकर उभरे थे। लेकिन हमें नंदीग्राम की जनता पर पूरा भरोसा है। यह न केवल शुभेंदुबल्कि हमारे पूरे परिवार के राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई है। अधिकारी के छोटे भाई दिव्येंदु भी तृणमूल के असंतुष्ट सांसद हैं। अपने बचपन के वर्षों में आरएसएस की शाखा में प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारी ने 1980के दशक में छात्र राजनीतिक में कदम रखा जब उन्हें कांग्रेस की छात्र इकाई छात्र परिषद का सदस्य बनाया गया। वह 1995 में चुनावी राजनीति में उतरे और कोनताई नगरपालिका में पार्षद चुने गए। अधिकारी चुनाव राजनीति से अधिक संगठन में दिलचस्पी रखते थे। अधिकारी और उनके पिता 1999 में तृणमूल में शामिल हो गए। उस समय तृणमूल के गठन को एक साल ही हुआ था। इसके बाद वह 2001 और 2004 में लोकसभा चुनाव लड़े और दोनों ही चुनावों में उन्हें नाकामी हाथ लगी। हालांकि 2006 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें कोनताई सीट से जीत हासिल हुई। साल 2007 में नंदीग्राम में हुए कृषि भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने बंगाल की राजनीति की पूरी तस्वीर ही बदल दी। इस आंदोलन ने अधिकारी को तृणमूल के चोटी के नेताओं की कतार में लाकर खड़ा कर दिया। बनर्जी और अधिकारी को नंदीग्राम आंदोलन का नायक बताया गया।

राजस्थान: लोकतंत्र में बराबर की लड़ाई नहीं होगी तो लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा: गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी बांड पर केन्द्र सरकार को घेरते हुए मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र में अगर बराबर की लड़ाई नहीं होगी तो सब तरफ से लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा। चूरू के सूजानगढ में कांग्रेस प्रत्याशी मनोज मेघवाल के नामांकन के अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे अमीर पार्टी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी की उच्चतम न्यायालय चुनावी बॉड प्रतिबंध कर देगा लेकिन नहीं किया। गहलोतने कहा कि कोई इंडस्ट्री अगर 100 करोड़ कर बांड लेती है तो 95 करोड़ रुपये भाजपा को देती है और बाकी पांच करोड़ रूपये कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, बसपा में बांटती हैं।

उन्होंने कहा, ''आप कल्पना कीजिये लोकतंत्र में अगर बराबर की लडाई नहीं होगी तो लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा।'' उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र की मजबूती के लिये आवश्यक है कि विपक्षी पार्टी मजबूत रहे। हम भी राजस्थान में साथ देते है विपक्ष काज्अगर वो तथ्यों के आधार पर सरकार की आलोचना करते है तो हमें खुशी होती हैक्योंकि हमें उसे इम्प्रूव करने का मौका मिलता है।'' उन्होंने किसानों के मुद्दे पर केन्द्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि किसानों के आर्शीवाद से आप जीत कर आये होज संसद में भारी बहुमत मिला लेकिन सरकार आंदोलनरत किसानों की कोई सुनवाई नहीं कर रही है.. जिद पर अड़ी हुई है।

उन्होंने केन्द्र सरकार से किसानों और विपक्षी पार्टियों से बात करने का अनुरोध करते हुए कहा कि संसद में इस पर बहस करा कर नया बिल लेकर आए। उन्होंने कहा, ''मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस माहौल में केन्द्र सरकार इन बिलों (कानूनों) को लागू कर ही नहीं पायेगी.. कितनी भी कोशिश करले लागू नहीं कर पायेंगे।

हाल के दिनों में बद से बदतर हुई कोरोना की स्थिति, पंजाब नहीं कर रहा पर्याप्त टेस्ट: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में लगातार कोरोना वायरस संक्रमण में आ रही तेजी के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय सक्रिय हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज कहा कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि हो रही है, वहां जांच को तेजी से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। पंजाब न तो पर्याप्त संख्या में जांच कर पा रहा है और न ही कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों को तत्काल पृथक-वास में भेज पा रहा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित 10 जिलों में दिल्ली, एक जिले के रूप में ली गई। ऐसे आठ जिले महाराष्ट्र से हैं।

सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि का सामना कर रहे राज्यों से कहा कि आरटी-पीसीआर पर ध्यान केंद्रित कर जांच संख्या में वृद्धि की जाए, संक्रमित लोगों को तुरंत पृथक किया जाए, संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाए, स्वास्थ्य देखरेख संबंधी संसाधनों को मजबूत किया जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने माना कि कोविड-19 संबंधी स्थिति हाल के दिनों में बद से बदतर हुई है, यह बड़ी चिंता का कारण है। सरकार ने कहा कि 11,064 नमूनों की 'जीनोम सीक्वेंसिंग' की गई, 807 नमूनों में ब्रिटेन में मिला कोरोना वायरस का नया स्वरूप पाया गया, 47 नमूनों में वायरस का दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप मिला तथा एक नमूने में वायरस का ब्राजीलियाई स्वरूप मिला। सरकार ने कहा कि 'कोवैक्सीन' और 'कोविशील्ड'टीके ब्रिटेन तथा ब्राजील में मिले सार्स-कोव-2 के नए स्वरूप के खिलाफ प्रभावी है। वायरस के दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप के खिलाफ कार्य जारी है। निजी अस्पतालों में दी गई कोविड-19 रोधी टीके की खुराक के मामले में 48.39 प्रतिशत के आंकड़े के साथ तेलंगाना शीर्ष स्थान पर, 43.11 प्रतिशत के आंकड़े के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है। आपको बता दें कि भारत में गत 24 घंटे में 56,211 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके साथ ही देश में अब तक कोविड-19 की जद में आए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,20,95,855 हो गई है। इस अवधि में 271 और मरीजों की संक्रमण से मौत हुई है जिससे देश में महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,62,114 हो गई है।

कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी स्थिति बद से बदतर हो रही, समूचा देश जोखिम में : केंद्र

केंद्र ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी स्थिति ''बद से बदतर हो रही है'' और यह खास तौर पर कुछ राज्यों के लिए बड़ी चिंता का विषय है। इसने कहा कि पूरा देश जोखिम में है और किसी को भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इसने कहा कि कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित 10 जिलों में से आठ महाराष्ट्र से हैं और दिल्ली भी एक जिले के रूप में इस सूची में शामिल है। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिन दस जिलों में सर्वाधिक उपचाराधीन मामले हैं, उनमें पुणे (59,475), मुंबई (46,248), नागपुर (45,322), ठाणे (35,264), नासिक (26,553), औरंगाबाद (21,282), बेंगलुरु नगरीय (16,259), नांदेड़ (15,171), दिल्ली (8,032)और अहमदनगर (7,952) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से दिल्ली में कई जिले हैं, लेकिन इसे एक जिले के रूप में लिया गया है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल ने कहा, ''कोविड-19 संबंधी स्थिति बद से बदतर हो रही है। पिछले कुछ सप्ताहों में, खासकर कुछ राज्यों में, यह एक बड़ी चिंता विषय है। किसी भी राज्य, देश के किसी भी हिस्से या जिले को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम काफी अधिक गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं, निश्चित तौर पर कुछ जिलों में। लेकिन पूरा देश जोखिम में है, इसलिए रोकने (संक्रमण के प्रसार को) और जीवन बचाने के सभी प्रयास किए जाने चाहिए।'' पॉल ने कहा, ''अस्पताल और आईसीयू संबंधी तैयारियां तैयार रहनी चाहिए। यदि मामले तेजी से बढ़े तो स्वास्थ्य देखरेख प्रणाली चरमरा जाएगी।'' संक्रमण दर के मुद्दे पर भूषण ने कहा कि महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह औसत संक्रमण दर23 प्रतिशत थी। इसके बाद पंजाब में 8.82 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 8.24 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 7.82 प्रतिशत, तमिलनाडु में 2.5 प्रतिशत, कर्नाटक में 2.45 प्रतिशत, गुजरात में 2.22 प्रतिशत और दिल्ली में औसत संक्रमण दर 2.04 प्रतिशत थी। पूरे देश में पिछले सप्ताह औसत संक्रमण दर 5.65प्रतिशत थी। भूषण ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से संक्रमण के मामलों में वृद्धि की खबरें हैं और कोविड-19 संबंधी जांच में तेजी से वृद्धि किए जाने की और इसमें आरटी-पीसीआर जांच का अनुपात भी बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''शनिवार को, हमने इन राज्यों के साथ बैठक की और 47 जिलों के साथ भी चर्चा हुई। हमने उनसे जांच की संख्या बढ़ाने और आरटी-पीसीआर जांच पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। स्क्रीनिंग के लिए और घनी आबादी वाले उन क्षेत्रों में, जहां मामले क्लस्टर के रूप में सामने आ रहे हैं, रैपिड एंटीजन जांच का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।''

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)